हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शनिवार 4 जुलाई 2026

हरिभूमि- आईएनएच का जिला संवाद पेंड्रा में 6 को

डॉ हिमांशु द्विवेदी | राजेश अग्रवाल | अटल श्रीवास्तव | प्रणव मरपच्ची

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में चल रही विकास योजनाओं और क्षेत्र की समस्याओं पर मंथन के लिए जिला संवाद- 2026 का आयोजन 6 जुलाई को होगा। मल्टीपर्पस स्कूल पेंड्रा रोड के असेंबली हाल में दोपहर एक बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में हरिभूमि- आईएनएच के प्रधान सम्पादक डॉ हिमांशु द्विवेदी जिले के जनप्रतिनिधियों से सवाल करेंगे। इस अवसर पर जिले के प्रभारी, एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, कोटा क्षेत्र के विधायक अटल श्रीवास्तव, मरवाही के विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची, पूर्व विधायक डॉ॰ के के ध्रुव,जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा, नगरपालिका गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे, नगर पंचायत पेंड्रा के अध्यक्ष राकेश जालान, जिला भाजपा अध्यक्ष लाल जी यादव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती गजमती भानु सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में जनता के साथ सीधा संवाद भी होगा जिसमें लोग अपने जनप्रतिनिधि से सवाल कर सकेंगे।

अंदेशा...तस्करों ने दो नहीं, चार बाघों का किया है शिकार

मारे गए दो टाइगर, कंकाल से मैच कर रही एक की खाल दूसरे की नहीं, यानी इंद्रावती में और भी बाघ मारे गए!

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघ के शिकार मामले में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की एंटी पोचिंग स्क्वाड तथा इंद्रावती टाइगर रिजर्व के साथ पुलिस की संयुक्त टीम ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शिकारी तथा तस्करों के कब्जे से दो बाघ के कंकाल जब्त किए हैं। इसकी पुष्टि आईटीआर के डिप्टी डायरेक्टर संदीप बलगा ने की है। जिन दो बाघ के कंकाल जब्त किए गए हैं, उनमें से एक बाघ ⏭ शेष पेज 6 पर

शिकार करने के बाद महाराष्ट्र भाग जाते हैं

वन्यजीवों के जानकारों के अनुसार छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा के शिकारी बस्तर में शिकार करने के बाद बचने के लिए महाराष्ट्र भाग जाते हैं, वहां वन्यजीवों की तस्करी करने वाले रैकेट से संपर्क कर वन्यजीवों ⏭ शेष पेज 6 पर

चार बाघों का शिकार, महाराष्ट्र पुलिस इंटेलिजेंस के जवान के साथ हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

महाराष्ट्र से लेकर ओडिशा तक कॉरिडोर

मूवमेंट ट्रैक कर करते हैं शिकार

इन आरोपियों को किया गिरफ्तार

डब्लूसीसीबी की चेतावनी की अनदेखी

वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो ने वन मुख्यालय को मई में पत्र लिखकर पहले ही चेतावनी जारी कर दी थी। डब्लूसीसीबी ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बिग कैट प्रताजि के वन्यजीव बाघ, तेंदुआ के शिकार कर उनकी खाल, अंगों की तस्करी होने की आशंका व्यक्त की थी। शिकार के खतरे से निपटने के लिए पहले से ज्यादा सतर्कता बरतने का अलर्ट किया था।

खबर संक्षेप

राजामौली का फ्रांस में सम्मान, 'वॉल ऑफ फिल्म मेकर्स' में शामिल

नई दिल्ली। 'बाहुबली' और 'आरआरआर' जैसी सुपरहिट फिल्म के डायरेक्टर एसएस राजामौली को फ्रांस में एक बड़ा सम्मान मिला है। उनका नाम प्रतिष्ठित 'वॉल ऑफ फिल्ममेकर्स' में शामिल किया गया। राजामौली ने सोशल मीडिया पर इस खास पल को शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। म्यूजियम का दौरा किया और उसी स्क्रीनिंग रूम में गए, जहां उनकी फिल्में 'ईगा' और 'आरआरआर' हाउसफुल दर्शकों के साथ दिखाई गई थीं। उन्होंने बताया कि इंस्टिट्यूट ल्यूमियर और कान्स फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर थिएरी फ्रेमो ने खुद उनका स्वागत किया।

अयोध्या राम मंदिर दान चोरी मामले में एसआईटी का बड़ा एक्शन

33 लोगों से 3 घंटे पूछताछ, जमीन खरीद से आभूषण गलाने तक रिकॉर्ड खंगाले

हरिभूमि न्यूज ⏭ अयोध्या/नईदिल्ली

अयोध्या में चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम यानी एसआईटी ने शुक्रवार को जांच का दायरा और बढ़ा दिया। जांच के तहत दानदाताओं, भूमि खरीद से जुड़े लोगों, प्रॉपर्टी डीलरों, बैंक कर्मियों और सुरक्षा कर्मियों समेत कुल 33 लोगों से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की गई। एसआईटी ने ट्रस्ट की तरफ से की गई भूमि खरीद से जुड़े दस्तावेजों की भी गहन पड़ताल शुरू कर दी है। इसके अलावा एसआईटी मंदिर ट्रस्ट के पिछले पांच साल के खातों का दोबारा ऑडिट करेगी।

एसआईटी ने शुक्रवार को पूछताछ के दौरान ट्रस्ट द्वारा खरीदी गई जमीन, मकान, भुगतान प्रक्रिया और उससे जुड़े अभिलेखों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई गई। जांच टीम यह भी समझने का प्रयास कर रही है कि भूमि खरीद की पूरी प्रक्रिया किस तरह पूरी की गई थी। जांच के दौरान कुछ प्रॉपर्टी डीलरों से भी पूछताछ की गई। इसके अलावा टिन्नू यादव के दो भांजों को भी एसआईटी के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया। दोनों प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। जांच एजेंसी ने उनसे भी जमीन से जुड़े लेनदेन और अन्य पहलुओं पर जानकारी ⏭ शेष पेज 6 पर

पीएम मोदी से आधी रात हुई बात जेल जा सकते हैं चंपत : कटियार

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में अयोध्या के पूर्व भाजपा सांसद विनय कटियार ने कहा कि आने वाले समय में चंपत राय को भी जेल जाना पड़ सकता है। विनय कटियार ने दावा किया कि उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मंदिर मामले पर बात हो रही है। आधी रात करीब डेढ़ बजे पीएम मोदी ने उनसे ⏭ शेष पेज 6 पर

मंदिर ट्रस्ट के पिछले पांच साल के खातों का होगा अब दोबारा ऑडिट

होसबाले बोले- 'दोषियों को मिले कड़ी सजा'

राम मंदिर चंढावा चोरी पर आरएसएस का बड़ा बयान सामने आया है। संघ सरकार्यवाक दत्तात्रेय होसबले ने कहा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। उन्होंने कहा, 'रामलला मंदिर में रखे हुए दान पात्रों में जमा राशि की चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से समूचे समाज और राम भक्तों की भावना और श्रद्धा को आघात पहुंचा है। इस घटना से हम सभी आहत हैं।' संघ सरकार्यवाक दत्तात्रेय होसबले ने कहा, 'जांच में ⏭ शेष पेज 6 पर

खाट पर सो रहे थे तीनों भाई

सर्पदंश से सगे भाइयों की मौत, बड़ा बाल-बाल बचा

अम्बिकापुर, बलरामपुर। जिले में सर्पदंश की घटना लगातार बढ़ रही है। कुछ दिन पूर्व ही राजपुर क्षेत्र में नानी-नातिन की जबकि हाल ही में शंकरगढ़ क्षेत्र में पिता-पुत्र की सर्पदंश से मौत हो गई थी वहीं बीती रात पुनः बलरामपुर क्षेत्र के ग्राम पीपरसोत में खाट पर सो रहे दो सगे मासूम भाइयों को जहरीले सांप ने डस लिया। गनीमत था कि बड़ा भाई छोटे भाइयों के ⏭ शेष पेज 6 पर

गांव में शोक

इधर एक साथ एक ही परिवार के दो मासूमों की मौत हो जाने की खबर लगते ही गांव में शोक का माहौल निर्मित हो गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

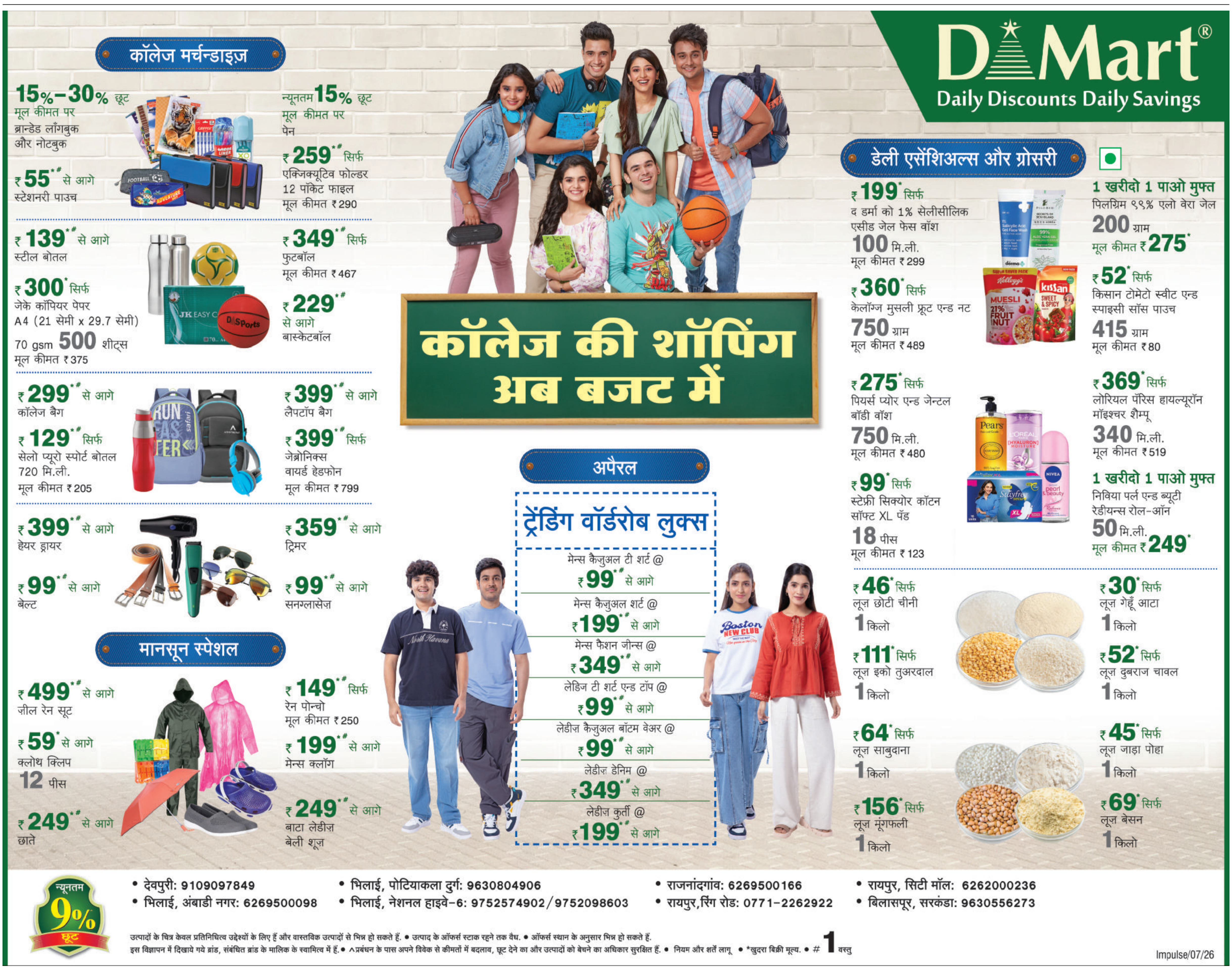

नवीन की नई कार्यकारिणी लगभग तय, छत्तीसगढ़ को बड़ी अहमियत मिलने की संभावना

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई कार्यकारिणी लगभग तय हो गई है। एक दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष की मैराथन बैठक हुई है। इस बैठक में कार्यकारिणी के नामों पर मुहर लगने की बात सामने आ रही है। कार्यकारिणी का कभी भी ऐलान होने की संभावना है। जिन राज्यों में अगले साल चुनाव होने वाले हैं, उन राज्यों के नेताओं को कार्यकारिणी में महत्व तो मिलेगा ही साथ ही अपने राज्य छत्तीसगढ़ को भी कार्यकारिणी में बड़ी अहमियत मिलने की संभावना है। छत्तीसगढ़ के किसी एक नेता को महामंत्री और एक को उपाध्यक्ष या फिर राष्ट्रीय मंत्री का पद मिल सकता है।

श्री नवीन की कार्यकारिणी को लेकर प्रदेश के आधा दर्जन से ज्यादा नेताओं के नाम चल रहे हैं। एक-दो नेताओं को कार्यकारिणी का सदस्य भी बनाया जा सकता है। इसी के साथ इस बार प्रदेश के किसी एक नेता को राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी का भी जिम्मा मिल सकता है। छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद से ही छत्तीसगढ़ को हमेशा भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में कोई न कोई पद मिलता रहा है। इस बार भी प्रदेश के नेताओं को नई टीम में पद मिलेंगे। वैसे भी श्री नवीन अब तक प्रदेश के प्रभारी हैं। नई कार्यकारिणी के साथ छत्तीसगढ़ को नया प्रदेश प्रभारी भी मिलेगा।

राष्ट्रीय कार्यकार्यकारिणी में हमेशा छत्तीसगढ़ का अहमियत मिलती रही है। सरोज पांडेय और रामविचार नेताम राष्ट्रीय महामंत्री रहे हैं। करूणा शुक्ला भी राष्ट्रीय महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहने के साथ ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रही हैं। इस समय सरोज पांडेय और लता उसेंडी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। इसी के साथ इस समय धरमलाल कौशिक और अजय चंद्राकर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य हैं।

दावेदरों में इनके नाम

अब नितिन नवीन की नई कार्यकारिणी में भी प्रदेश के नेताओं को अहमियत मिलेगी। श्री नवीन प्रदेश के हर नेता के बारे में जानते हैं, ऐसे में वे किसी भी नेता को बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। प्रदेश के कई नेता श्री नवीन के करीबी हैं। इस समय जिन नामों की दावेदारों के रूप में चर्चा है, उनमें डिप्टी सीएम विजय शर्मा, अरुण साव, राजनांदगांव के सांसद संतोष पांडेय, महासमुंद की सांसद रूप कुमारी चौधरी, राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक गोमती साय, सुशांत सिंह और सौरभ सिंह का नाम प्रमुख है। इनमें से किसी को भी महामंत्री, मंत्री या उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

कांग्रेस विधायकों ने नकटी में विधायक आवास लेने से किया इनकार, भाजपा विधायक मौन क्यों

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा सरकार के नकटी में गरीबों का घर उजाड़कर विधायक आवास बनाने की योजना के खिलाफ मेरी अपील के बाद कांग्रेस के 13 विधायकों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर गरीबों का घर उजाड़ने का विरोध किया और नकटी में प्रस्तावित विधायक आवास लेने से इनकार किया है। विधायक आवास नकटी के बजाए किसी अन्य जगह पर खाली सरकारी जमीन पर बनाने की मांग की है, लेकिन अब तक किसी भी भाजपा के विधायक ने नकटी में आवास नहीं लेने की घोषणा क्यों नहीं की? श्री बैज ने कहा, स्थानीय विधायक राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, पुरन्दर मिश्रा, सुनील सोनी, खुशवंत साहेब, इंद्र कुमार साहू की संवेदनाएं क्या मर गई हैं? गरीबों की पीड़ा, उनके आंसू, उनकी बेबसी इन्हें नजर नहीं आ रही है। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा का तो जमीर पहले ही मर चुका है। उन्होंने नकटी की जनता को तो धोखा दिया ही है, सब कुछ ठीक होने का दावा कर उनके जख्मों पर नमक भी छिड़का है। श्री बैज ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद गरीबों की दुकानों और मकानों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है।

अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लिखा पत्र

वक्फ बोर्ड की सीएम से मांग, मदरसा बोर्ड समाप्त कर अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण बनाएं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश में मदरसा बोर्ड को समाप्त कर झारखंड की तरह अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण बनाने की मांग छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से की है। अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने इसके लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है और झारखंड के बारे में पूरी जानकारी भी दी है।

पत्र में लिखा गया है, राज्य शासन द्वारा संचालित मदरसा बोर्ड जो वर्तमान में संचालित है, जिसके अंतर्गत राज्य के मदरसों में वर्तमान शिक्षा प्रणाली के अनुरूप दीनी तालीम के साथ आधुनिक शिक्षा नहीं दी जाती। मदरसा बोर्ड अंतर्गत आने वाले मदरसों को राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष अनुदान भी प्रदान किया जाता है, परंतु इसका समुचित लाभ अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय को नहीं प्राप्त हो रहा है। मदरसों से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी वर्तमान में केवल मौलाना या मौलवी ही बन रहे हैं, मदरसों की शिक्षा प्रणाली में वर्तमान शिक्षा प्रणाली के अनुरूप बदलाव किया जाना अति आवश्यक हो गया है।

पत्र में बताया गया है उत्तराखंड राज्य द्वारा मदरसा शिक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। एक जुलाई से उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद को समाप्त कर दिया गया है इसके स्थान पर उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य मदरसों की शिक्षा को मुख्यधारा से जोड़ना है। चूंकि केन्द्र शासन एवं राज्य शासन का यह उद्देश्य है कि मदरसे में अध्ययनरत विद्यार्थियों के एक हाथ में कुरान और एक हाथ में कंप्यूटर हो, जिससे मदरसों से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आगे जाकर केवल मौलाना या मौलवी ही नहीं बल्कि उसके साथ डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक आदि भी बन कर मुख्य धारा से जुड़ सकें।

झारखंड का दिया उदाहरण, मदरसों में आधुनिक शिक्षा नहीं

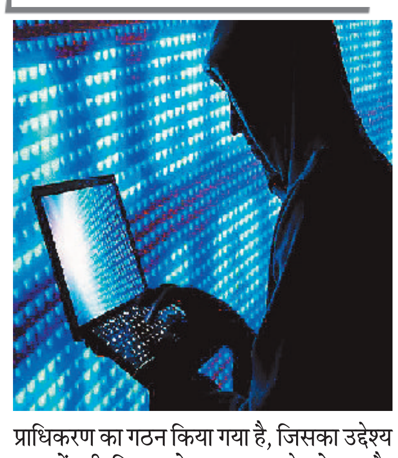

ऐसे में वक्फ बोर्ड का भी मानना है कि प्रदेश में संचालित मदरसा बोर्ड को समाप्त कर इसके स्थान पर वर्तमान शिक्षा प्रणाली के अनुरूप छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया जाना आवश्यक है जिससे छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित मदरसों में भी आधुनिक शिक्षा, कंप्यूटर शिक्षा एवं दीनी तालीम अल्पसंख्यक मुस्लिम विधार्थियों को प्राप्त हो।

डा. राज ने पत्र में बताया है, राज्य में लगभग 418 मदरसे संचालित हैं, जिसमें राज्य के कुछ मदरसे पूरी तरह छात्रविहीन हैं तथा कुछ ही मदरसों को प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा तक की मान्यता प्राप्त है जिसमें आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अनुरूप पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है। शेष मदरसों में प्राथमिक रूप से दीनी शिक्षा ही प्रदान की जा रही है जिससे मदरसों में शिक्षारत विद्यार्थियों के भविष्य पर बड़ा प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। राज्य शासन की समस्त योजनाओं का लाभ राज्य के मदरसे लेते हैं परंतु आधुनिक शिक्षा के नाम पर शून्य हैं। मदरसों की स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक होगा कि मदरसे अब विद्यालयी शिक्षा परिषद से जोड़े जाए, साथ ही, मदरसों के पाठ्यक्रम को लेकर भी एक कमेटी गठित की जाए जो यह तय करे कि धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक विषयों का कितना समावेश किया जाए।

27 प्रत्याशी मैदान में, सबसे अधिक बिलासपुर संभाग से

छत्तीसगढ़ आयुर्वेदिक तथा यूनानी पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा परिषद का चुनाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्वेदिक तथा यूनानी पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा परिषद के तृतीय परिषद गठन हेतु राज्य के पांच संभागों से प्रतिनिधि निर्वाचन के लिए प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच के बाद विभिन्न संभागों से 27 प्रत्याशी मैदान में हैं। सर्वाधिक 7 प्रत्याशी बिलासपुर संभाग से तथा सबसे कम 3 प्रत्याशी बस्तर संभाग से अपना भाग्य आजमा रहे हैं। रायपुर से 5, दुर्ग से 6 तथा सरगुजा संभाग से 6 प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए हैं। निर्वाचन पदाधिकारी एवं रजिस्ट्रार डॉ. संजय शुक्ला ने बताया कि संभागीय प्रतिनिधि निर्वाचन से नामांकन वापसी की तिथि आगामी 10 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। नाम वापसी के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को कार्यालयीन दिवस एवं अवधि में निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। गौरतलब है कि यह चुनाव डाक मतपत्र के द्वारा संपन्न होगा जिसमें निर्वाचन नामावली में शामिल कुल 5187 आयुर्वेद, यूनानी एवं प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा संभागीय प्रतिनिधि का चुनाव किया जाएगा। रायपुर संभाग में कुल 1312, बिलासपुर में 1490, दुर्ग में 1294, सरगुजा में 726 तथा बस्तर में 365 मतदाता हैं।

आधी रात ब्वॉयज हॉस्टल में भगदड़, छत का प्लास्टर गिरा, छात्र का सिर फूटा

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विवि में गुरुवार देर रात भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई। विवि परिसर में स्थित शिवम छात्रावास में मध्यरात्रि एक कक्ष का लगभग पूरा प्लास्टर ही गिर गया। इससे एक छात्र का सिर फूट गया, जबकि पूरे कमरे में प्लास्टर बिखरने से सामान को भी इससे नुकसान पहुंचा है। छात्र को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। विवि प्रबंधन के अनुसार, घायल विद्यार्थी अब पूरी तरह से खतरे से बाहर है और उसे डिस्चार्ज कर दिया गया है। रात में ही सभी छात्रों को अपने कक्ष खाली करने कहा गया और उन्हें दूसरे कमरों में शिफ्ट कराया गया। इससे आधी रात को विवि में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। घटना के अगले दिन सुबह शुक्रवार को छात्रों ने मूलभूत सुविधा की मांग लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। इसके कारण शुक्रवार को भी विवि में स्थिति तनावपूर्ण रही। एनएसयूआई कार्यकर्ता जहां कुलपति वाहन के सामाने ही लेट गए तो वहीं एबीवीपी ने ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखीं। छात्रों ने इस लापरवाही के लिए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

बिलासपुर, शनिवार 4 जुलाई 2026 | आषाढ़, कृष्ण पक्ष पंचमी | वर्ष : 26, अंक : 103 | पृष्ठ : 10+8= 18 मूल्य : 4.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

इन विषयों पर होगा विचार विमर्श

शिविर में प्रदेश के समग्र, संतुलित और समावेशी विकास से जुड़े विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। कृषि, ग्रामीण विकास, उद्योग, निवेश, पर्यटन, खेल, नवाचार, उभरती प्रौद्योगिकी, सुशासन, संस्थागत सुधार, नेतृत्व विकास तथा प्रभावी जनसेवा जैसे विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित होंगे। इन चर्चाओं के आधार पर शासन की प्राथमिकताओं, विभागीय ▸▸ शेष पेज 6 पर

वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे लर्निंग रिसोर्स

रचनात्मक लेखन खंड में अनौपचारिक निमंत्रण, संदेश, चित्र वर्णन, लघु कहानी और दैनिक जीवन के संवाद लिखने जैसे प्रश्न होंगे। वहीं पढ़ने और लिखने का मूल्यांकन एनसीईआरटी के लर्निंग रिसोर्स पर आधारित होगा। इसके अलावा स्थानीय संस्कृति, लोककला, तकनीकी नवाचार, राष्ट्रीय पहल और स्थानीय साहित्यकारों जैसे विषयों पर प्रोजेक्ट भी तैयार कराए ▸▸ शेष पेज 6 पर

साय कैबिनेट का चिंतन शिविर आज से आईआईएम में, राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ साझा करेंगे अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल का दो दिवसीय 'चिंतन शिविर 3.0' का आयोजन 4 एवं 5 जुलाई को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रायपुर में किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा आईआईएम रायपुर के सहयोग से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य शासन की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, नवाचार आधारित तथा परिणामोन्मुख बनाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के विज़न को नई गति देना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ▸▸ शेष पेज 6 पर

विकसित छत्तीसगढ़ के विज़न, सुशासन और भविष्य की रणनीति पर होगा मंथन

राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ साझा करेंगे अनुभव

चिंतन शिविर के प्रथम दिवस की शुरुआत आध्यात्मिक गुरु एवं मोटिवेशनल स्पीकर गौर गोपाल दास के नेतृत्व एवं जीवन मूल्यों पर व्याख्यान से होगी। इसके बाद अभय करंदीकर उभरती प्रौद्योगिकियों एवं ▸▸ शेष पेज 6 पर

भाषा संबंधित विषयों का मूल्यांकन केवल लिखित परीक्षा से नहीं, सुनने-बोलने के भी जुड़ेंगे 40% अंक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने नवमी में पढ़ाई जाने वाली तीसरी भाषा के मूल्यांकन का तरीका बदल दिया है। अब तीसरी भाषा में छात्र केवल लिखित परीक्षा के आधार पर नहीं आंके जाएंगे, बल्कि यह भी देखा जाएगा कि वे भाषा को कितना समझते हैं, कितनी सहजता से बोलते हैं और रोजमर्रा के संवाद में उसका कितना प्रभावी इस्तेमाल कर पाते हैं। इसके लिए बोर्ड ने नया आर-3 भाषा मूल्यांकन ढांचा लागू करते हुए सभी संबद्ध स्कूलों को इसे इसी शैक्षणिक सत्र से लागू करने के निर्देश दिए हैं। नई व्यवस्था में ▸▸ शेष पेज 6 पर

15% अंक निर्धारित रहेंगे रचनात्मक लेखन के लिए भाषा आधारित व्यक्तिगत अनुभव साझा करेंगे विद्यार्थी

कक्षा गतिविधियों के माध्यम से मूल्यांकन

बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यार्थियों का मूल्यांकन विभिन्न कक्षा गतिविधियों के माध्यम से किया जाएगा। इनमें चित्र का वर्णन, समूह चर्चा, भूमिका निभाना (रोल प्ले), कहानी सुनाना, ▸▸ शेष पेज 6 पर

देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पकड़ ली है रफ्तार

कई राज्यों में मूसलाधार, छत्तीसगढ़ में कहीं झमाझम, कहीं रिमझिम, उफान पर पहाड़ी नाले

देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने से अगले पांच दिनों तक कई राज्यों में भारी से बेहद भारी बारिश की संभावना है। देशभर के साथ ही राजधानी दिल्ली में भी मानसून की एंट्री हो चुकी है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखंड और नॉर्थ ईस्ट में भारी बारिश देखने को मिल रही है। छत्तीसगढ़ में कहीं बादल जमकर बरस रहे, कहीं रिमझिम बरसात हो रही है। हिमाचल में भूस्खलन से गाड़ियां दब गईं। भारी बारिश के चलते 60 सड़कें बंद हैं। गुजरात में जहां दो बच्चे पानी में बह गए।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर/नई दिल्ली

मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तर ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके चलते कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गई। राज्य में 60 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। जामनगर में दो बच्चे पानी में बह गए, स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया। सोमनाथ के सूत्रपाड़ा में घरों ▸▸ शेष पेज 6 पर

> उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना है कम दबाव का क्षेत्र

कवर्धा के पहाड़ी नाले में उफान, गाड़ियां फंसी

कवर्धा। राज्य में मानसून एक्टिव है और कई इलाकों में अच्छी बारिश हो रही है। इस बीच कबीरधाम जिले के वनांचल कुकदूर में उफनते ढोलढोली रपटे पर तेज बहाव के बीच 20-25 यात्रियों से भरी एसएमएल माजदा बीच धार में फंस गई। गाड़ी में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी सवार थे। स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी जान ▸▸ शेष पेज 6 पर

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दंपती की मौत

डभरा के बसंतपुर की घटना

डभरा। जांजगीर चांपा जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पति पत्नी की मौत हो गई। घटना डभरा थाना क्षेत्र के बसंतपुर की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार ग्राम बसंतपुर निवासी आनंद राम माली उम्र लगभग 50 वर्ष एवं उनकी पत्नी धोबनीन माली उम्र लगभग 45 वर्ष 2 जुलाई को खदान की ओर काम करने गए थे। अचानक मौसम बदला और बारिश शुरू हो गई। इस दौरान दोपहर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पति- पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वे देर शाम तक घर नहीं पहुंचे तो ▸▸ शेष पेज 6 पर

इधर, कबीरधाम में बड़ा हादसा

खेत में झटका तार से करंट, बेटे को बचाने दौड़े पिता की भी मौत

कवर्धा। कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम बीरनपुर कला में खेत में लगाए गए अवैध विद्युत झटका तार ने एक ही परिवार की दो पीढ़ियों को लील लिया। खेत में करंट की चपेट में आए बेटे को बचाने के लिए दौड़े पिता भी बिजली की चपेट में आ गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, वहीं ग्रामीणों ने फसलों की सुरक्षा के नाम पर लगाए जा रहे अवैध करंट तारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। ▸▸ शेष पेज 6 पर

एटीएस ने की बड़ी कार्रवाई

गुजरात-मप्र में जैश-ए-मोहम्मद के आठ संदिग्ध आतंकी हुए गिरफ्तार

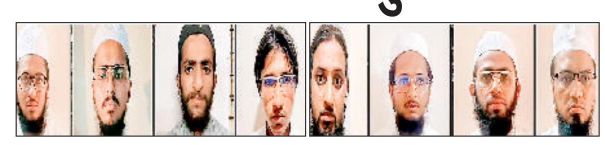

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने एक बड़े ऑपरेशन में पाकिस्तान समर्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े 8 संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दो युवक महज 18 और 19 साल के हैं। जांच एजेंसियों का दावा है कि ये सभी गुजरात में एक सक्रिय आतंकी नेटवर्क स्थापित करने की कोशिश में जुटे हुए थे। इस कार्रवाई को राज्य में आतंकी गतिविधियों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

> ■ आरोपियों में दो युवक हैं महज 18 और 19 साल के

बनासकांठा के रहने वाले हैं आरोपी

गिरफ्तार आरोपियों में बनासकांठा जिले के रहने वाले 19 वर्षीय अहमद अब्दुल्ला गाजीवाला, 22 वर्षीय मुदस्सिर अब्दुल्ला गाजीवाला और 30 वर्षीय इब्राहिम मोहम्मद हुसैन घाघा शामिल हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, इन तीनों की गतिविधियां काफी समय से निगरानी में थीं और इनके जरिए संगठन के अन्य सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा पाटन जिले के रहने वाले 21 वर्षीय जकारिया दुरानी मोहम्मद अम्मार घाघा, 40 वर्षीय मुफ्ती फौजान इस्माइल दौवा और 21 वर्षीय मोहम्मद अमीन शेरा को भी गिरफ्तार किया गया है। वहीं, नवसारी जिले के 22 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल रहमान सावदी और मध्य प्रदेश के रहने वाले 18 वर्षीय बिलाल दुरानी मोहम्मद अम्मार घाघा को भी एटीएस ने हिरासत में लिया है।

भारत में अब तक छह बार अटैक करवा चुका है जैश

जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना साल 2000 में मसूद अजहर ने की थी। यह आतंकी संगठन भारत में अभी तक छह बाहर हमले करवा चुका है। जैश ने अप्रैल 2000 में सेना के हेडक्वार्टर पर आत्मघाती हमला करवाया था। इसके बाद अक्तूबर 2001 में जम्मू कश्मीर विधानसभा पर हमला, पठानकोट एयरबेस पर जनवरी 2016, उरी के सेना हेडक्वार्टर पर सितंबर 2016 व पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर भी अटैक हुआ था।

अरूप को पार्टी अध्यक्ष बताते हुए लगाए बैनर

टीएमसी के हेडक्वार्टर पर बागी गुट ने जमाया कब्जा

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सत्ता खोने के बाद पार्टी पर वर्चस्व की जंग में भी ममता बनर्जी पिछड़ती दिख रही हैं। शुक्रवार को ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी के बागी समूह ने कोलकाता स्थित पार्टी के मुख्यालय पर ही कब्जा जमा लिया। इन लोगों ने पार्टी ऑफिस के बाहर पोस्टर लगाया है, जिसमें अरूप रॉय को पार्टी का अध्यक्ष बताया गया है। वहीं, ममता बनर्जी को सलाहकार कहा गया है। ऋतब्रत गुट के नेताओं का दावा है कि वही असली तृणमूल हैं और पार्टी कार्यालय पर उनका अधिकार है। दफ्तर पर कब्जा करने वाले समूह में फिरहाद हाकिम, संदीपन साहा, जावेद खान और पार्टी कोषाध्यक्ष अकरुज्जमां समेत कई नेता शामिल थे।

बागियों ने कहा- अब यहीं से होगा काम

बागी नेताओं ने ऐलान किया कि टीएमसी का दफ्तर अब उनका गुट ही इस्तेमाल करेगा। अकरुज्जमां ने कहा कि टीएमसी का इस दफ्तर से एक भावनात्मक रिश्ता है। उन्होंने कहा कि इस दफ्तर के मालिकों के साथ एग्रीमेंट हो चुका है। अब हमारे दल की सभी गतिविधियों का संचालन यहीं से किया जाएगा।

इंस्टाग्राम को 'बाल यौन शोषण' पर नोटिस

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम पर कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापन दिखाए जाने के मामले में केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय आईटी मंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों को इस मामले में इंस्टा की पेरेंट कंपनी मेटा को तलब करने का निर्देश दिया है। सूत्रों के अनुसार, एमईआईटीवाय इस पूरे मामले में मेटा से जवाब मांगेगा और यह जानना चाहेगा कि इंस्टाग्राम पर ऐसे ऐड्स कैसे दिखाई दिए।

केंद्र सरकार का मेटा पर एक्शन

बीबीसी ने भी की थी शिकायत

बीबीसी ने जब ऐसे ही एक विज्ञापन की शिकायत इंस्टाग्राम से की, तो करीब 24 घंटे बाद कंपनी ने जवाब दिया कि यह पोस्ट उसकी कम्यूनिटी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं करती। इसके बाद बीबीसी ने मेटा से इस मामले पर जवाब मांगा। तब कंपनी ने कहा कि उसने कई विज्ञापनों को हटा दिया है, संबंधित अकाउंट्स को सस्पेंड किया है।

सिया-चेतन के पॉलीग्राफी टेस्ट की तैयारी

पुणे। पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में मुख्य आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को शुक्रवार को वडगांव मावल कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इस मामले में एक और बड़ा अपडेट ये है कि पुणे पुलिस सिया गोयल और चेतन चौधरी का पॉलीग्राफी (लाई डिटेक्टर) टेस्ट कराने की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है। इसके लिए जरूरी अनुमति और कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में

'कोड वर्ड' में करते थे बात

केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस को जांच के दौरान पता चला है कि मुख्य आरोपी सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी आपस में बातचीत के लिए कोड वर्ड का इस्तेमाल करते थे, जिनका मतलब और उद्देश्य अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस के अनुसार, डिजिटल जांच में सामने आया है कि सिया और चेतन बातचीत के दौरान कोड वर्ड्स का इस्तेमाल करते थे।

दोनों मार्गों से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा

3,800 से अधिक श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था जम्मू से रवाना

एजेंसी ▸▸| जम्मू

दक्षिण कश्मीर में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए शुक्रवार को कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच 3,800 से अधिक श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था जम्मू आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दक्षिण कश्मीर के हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा की 57 दिवसीय वार्षिक यात्रा शुक्रवार सुबह एक साथ दो मार्गों से शुरू हुई। इनमें अनंतनाग जिले का पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले का 14 किलोमीटर लंबा, लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग शामिल हैं। यात्रा का समापन 28 अगस्त को होगा।

जमकर लगे जयकारे

भगवती नगर आधार शिविर में श्रद्धालुओं ने यात्रा शुरू करने से पहले 'बम-बम भोले', 'हर-हर महादेव' और 'जय बर्फानी बाबा की' के जयकारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कई श्रद्धालुओं ने यात्रा के शांतिपूर्ण और सुचारु संचालन के लिए किए गए प्रबंधों पर संतोष भी जताया।

चिंतन

आरोप की बजाय पुख्ता सबूत पेश करे विपक्ष

देश के 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद द्वारा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। किसी भी राजनीतिक दल को चुनावी प्रक्रिया पर संदेह होने पर अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन लोकतंत्र केवल आरोपों से नहीं चलता, बल्कि तथ्यों, साक्ष्यों और संवैधानिक प्रक्रियाओं पर टिका होता है। यदि विपक्ष को वास्तव में लगता है कि चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हुई है, मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं या चुनाव आयोग ने पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया है तो इन आरोपों को केवल राजनीतिक मंचों तक सीमित रखने के बजाय न्यायालय में ठोस प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें आरोप लगाकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की बजाय न्यायालय में चुनावी याचिका दायर करनी चाहिए। बता दें कि विपक्षी दलों खासकर इंडिया ब्लॉक ने एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए न्यायिक जांच और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की समीक्षा की मांग की है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि चुनावी लोकतंत्र की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप जरूरी है। हालांकि सवाल यह है कि यदि विपक्ष के साथ धोखा हुआ है या चुनाव में गड़बड़ी हुई तो वह सुप्रीम कोर्ट में चुनावी याचिका लेकर क्यों नहीं गया। लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष होना जरूरी है। विपक्ष की भी उतनी ही बात सुनी जाए, जितनी सरकार की सुनी जाती है। लोकतंत्र में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता सर्वोपरि है। यदि इन संस्थाओं पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो उनका असर केवल सरकार या विपक्ष तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जनता के चुनावी व्यवस्था पर विश्वास को भी प्रभावित करता है। इसलिए ऐसे आरोप बेहद जिम्मेदारी के साथ लगाए जाने चाहिए। बिना पर्याप्त साक्ष्य के बार-बार संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने से लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होती है और मतदाताओं के मन में अनावश्यक भ्रम पैदा होता है। विपक्ष ने जिन राज्यों में भाजपा जीती है, उनमें गड़बड़ी का जिक्र किया है लेकिन तमिलनाडु और केरल का जिक्र नहीं किया। क्योंकि वहां कांग्रेस को जीत मिली है। ऐसे में केवल पत्र लिखने या राजनीतिक बयान देने के बजाय कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेना अधिक प्रभावी और विश्वसनीय कदम होगा। दूसरी ओर, चुनाव आयोग की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। आयोग को केवल निष्पक्ष होना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसका हर निर्णय निष्पक्ष दिखाई भी देना चाहिए। मतदाता सूची के पुनरीक्षण, एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं और चुनावी प्रबंधन में अधिकतम पारदर्शिता, स्पष्ट संवाद और समयबद्ध जवाबदेही आवश्यक है। इससे अनावश्यक विवादों और राजनीतिक अविश्वास की गुंजाइश कम होगी। लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों के संतुलन से चलता है। सीजेआई को पत्र लिखना न्यायिक रूप से दबाव डालने की कोशिश मानी जा सकती है, विपक्ष के पत्र पर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के हस्ताक्षर भी हैं। वे इन तथ्यों को भली-भांति जानते भी हैं। एक मजबूत विपक्ष सरकार को जवाबदेह बनाता है, जबकि मजबूत संस्थाएं लोकतंत्र को स्थिरता देती हैं। इसलिए विपक्ष का दायित्व केवल प्रश्न उठाना नहीं, बल्कि उन प्रश्नों के समर्थन में विश्वसनीय तथ्य और प्रमाण भी प्रस्तुत करना है। वहीं, सरकार और चुनाव आयोग का दायित्व है कि वे हर आरोप का पारदर्शी और तथ्यात्मक उत्तर दें।

सफर
डॉ. ओपी त्रिपाठी

बस यात्रियों की सुरक्षा कब होगी चाक-चौबंद

हाल के महीनों में भारत में बस आग की कई भयानक घटनाएं हो चुकी हैं। ज्यादातर मामलों में इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट, इंजन ओवरहीटिंग, जाम दरवाजे और ज्वलनशील इंटीरियर मैटेरियल सबसे बड़े कारण होते हैं। सड़क हादसे में मौत के मामले में भारत पहले पायदान पर है। हादसे में होने वाली मौतों से पीड़ित परिवार बिखर जाता है। अगर कमाऊ सदस्य की सड़क हादसे में मौत हो जाए तो पीड़ित परिवार भावनात्मक रूप से तो टूटता ही है, आर्थिक रूप से भी टूट जाता है। एक के बाद एक हो रहे हादसे बताते हैं कि पग-पग पर लापरवाही हो रही है। हाल ही में दौसा के पास हुए जानलेवा हादसे में भी प्रारंभिक तौर पर ओवरटेकिंग, तेज रफ्तार व बस के आपातकालीन गेट नहीं खुलने जैसे कारण सामने आए हैं।

बीती 1 जुलाई को राजस्थान में दौसा के पास हुए भीषण सड़क हादसे में स्लीपर बस ट्रेलर से टकरा गई थी, जिससे बस में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई थी। ये कोई पहला हादसा नहीं है, जिसमें निर्दोष बस यात्रियों ने अपनी जान गंवाई हो। ड्राइवर की लापरवाही, यातायात संकेतकों का अभाव और तकनीकी खामियां मिलकर बसों को चलते-फिरते लाक्षागृह बना रही हैं। इस हादसे ने एक बार फिर बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर क्यों बार-बार बसों में आग लग जाती है? किन तकनीकी खामियों और लापरवाहियों से ऐसी घटनाएं होती हैं?

ये हादसा अकेला नहीं है। हाल के महीनों में भारत में बस आग की कई भयानक घटनाएं हो चुकी हैं। अक्टूबर 2025 में राजस्थान के जैसलमेर में इलेक्ट्रिकल फेलियर से बस में आग लगी, जिसमें 22 लोग जलकर मर गए। उसी महीने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में मोटरसाइकिल से टक्कर के बाद बस आग की लपटों में झुलस गई, 19-25 लोगों की मौत हुई। मार्च 2026 में आंध्र प्रदेश के मारकापुरम में बस-टिपर की टक्कर के बाद आग में 13-14 लोग मारे गए। इन घटनाओं में कुल सैकड़ों मौतें और सैकड़ों घायल हुए हैं। ज्यादातर मामलों में इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट, इंजन ओवरहीटिंग, जाम दरवाजे और ज्वलनशील इंटीरियर मैटेरियल सबसे बड़े कारण होते हैं। सड़क हादसे में मौत के मामले में भारत पहले पायदान पर है। हादसे में होने वाली मौतों से पीड़ित परिवार बिखर जाता है। अगर कमाऊ सदस्य की सड़क हादसे में मौत हो जाए तो पीड़ित परिवार भावनात्मक रूप से तो टूटता ही है, आर्थिक रूप से भी टूट जाता है। हमेशा की तरह दौसा के इस हादसे की जांच के भी रस्मी आदेश हुए हैं। जांच होगी तो कारण भी सामने आएंगे। जिम्मेदारी एक-दूसरे पर मढ़ने व दोषियों को बचाने के जतन भी होंगे। सड़क सुरक्षा के नाम पर अभियान भी चलेंगे। हर बार की तरह हादसों की रोकथाम के नए लक्ष्य तय होंगे, लेकिन जो सबसे ज्यादा जरूरी है, वे काम नहीं होंगे। क्या इस बात की कोई चिंता करेगा कि अब कोई बस सड़कों पर दौड़ते आग का गोला नहीं बनेंगी? राष्ट्रीय राजमार्गों पर गश्त को और प्रभावी करने के प्रयास होंगे। सभी यात्री बसों और खास तौर पर वातानुकूलित स्लीपर बसों में सुरक्षा के उपाय होंगे? क्या बिना फिटनेस प्रमाण पत्र के किसी वाहन को सड़क पर आने दिया जाएगा? क्या नशे में और तेज रफ्तार वाहन चलाने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द करने के काम होंगे। क्या राजमार्गों के संकेतक जहां जरूरत है, वहां लगाए जा सकेंगे? ये तमाम सवाल ऐसे हैं, जिन्हें धरातल पर उतारना मुश्किल काम नहीं है। एक के बाद एक हो रहे हादसे बताते हैं कि पग-पग पर लापरवाही हो रही है। दौसा के इस जानलेवा हादसे में भी प्रारंभिक तौर पर ओवरटेकिंग, तेज रफ्तार व बस के आपातकालीन गेट नहीं खुलने जैसे कारण सामने आए हैं।

जब जांच होगी तो सड़क निर्माण या यातायात संकेतकों की खामियां भी सामने आएंगी। देखा जाए तो यह महज एक हादसा नहीं बल्कि समूचे तंत्र की कमजोरियों व लापरवाहियों को आईना दिखाने वाला है। आग का शोला बनी बस में अपनों को खो चुके परिवारों के दर्द का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसी दौसा

एक्सप्रेस वे पर पिछली फरवरी में ही कार ट्रेलर में जा घुसी थी और 6 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसों की सूची लम्बी है। सिर्फ इसी एक्सप्रेस वे की नहीं बल्कि समूचे प्रदेश की। कई वाहनों में ब्रेक, इंजन और वायरिंग से जुड़ी खामियां रहती है। ये खामियां ही हादसे के बाद आग लगने की वजह बनती है। ज्यादातर भीषण हादसों की वजह यह भी सामने आती है कि लम्बी दूरी से चलकर आए वाहन चालक को आराम का वक्त ही नहीं मिला। समय पर पहुंचने की पाबंदी सो अलग। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की बड़ी जरूरत है। सबसे पहले, सभी बसों (खासकर प्राइवेट इंटरसिटी स्लीपर बसों) में ऑटोमेटिक फायर डिटेक्शन और सप्रेशन सिस्टम अनिवार्य किए जाने चाहिए। इंजन बे, बैटरी और इलेक्ट्रिकल सर्किट में आग लगने पर तुरंत बुझाने वाली तकनीक बचाव का समय बढ़ा सकती है। बसों के इंटीरियर में फ्लेम-रिटार्डेड मटेरियल का इस्तेमाल अनिवार्य होना चाहिए, ताकि आग तेजी से न फैले। इमरजेंसी एग्जिट डोर और विंडो हमर को साफ-साफ मार्क करना चाहिए और हर यात्री को बोर्डिंग के समय सेफ्टी ब्रीफिंग दी जानी चाहिए। जाम होने वाले दरवाजों की समस्या से निपटने के लिए बेहतर डिजाइन और नियमित मेंटेनेंस जरूरी हैं। ड्राइवरों को फायर फाइटिंग ट्रेनिंग और स्पीड लिमिट का सख्ती से पालन कराया जाना चाहिए। एक्सप्रेस वे पर रात के समय लंबी दूरी की बसों के लिए ज्यादा सख्त मॉनिटरिंग होना अब जरूरी हो गया है। अगर ये उपाय समय रहते अपनाए जाते, तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। सरकार, परिवहन विभाग और बस ऑपरेटर्स को मिलकर सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। केवल जांच और मुआवजे से काम नहीं चलेगा, व्यवस्थागत बदलाव जरूरी हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, दुर्घटना के बाद 'गोल्डन ऑवर' यानी शुरुआती एक घंटे में घायलों को उपचार मिल जाए तो जान बचाई जा सकती है। लेकिन राजमार्गों पर ट्रोमा सेंटर तो दूर एम्बुलेंस सेवाएं, फायर ब्रिगेड तक की मदद देर से पहुंचती है। सड़क किनारे अवैध ढाबे, अतिक्रमण, बिना अनुमति बने कट एक्सप्रेस-वे पर बेतरतीब पेचवर्क और बीच सड़क पार्क किए जाने वाले वाहन भी जानलेवा साबित होते हैं। राजस्थान ही नहीं, देश भर से आए दिन ऐसे हादसों की खबरें आती रहती हैं। यूपी रोडवेज यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। अब यदि चलती बस में किसी कारण से आग लगती है तो उसे बुझाने के लिए चालक या परिचालक के हस्तक्षेप का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

बस में लगा अत्याधुनिक सिस्टम खुद ही सक्रिय होकर आग पर काबू पाने का काम करेगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम रोडवेज ने बसों में ऑटोमेटिक वाटर मिस्ट फायर सप्रेशन सिस्टम लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। यह आधुनिक तकनीक पूरी तरह सेंसर आधारित है। बस में लगे विशेष हीट और स्मोक डिटेक्टर किसी भी असामान्य स्थिति को तुरंत पहचान लेंगे। अगर तापमान 68 से 70 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचता है या आग की शुरुआती चिंगारी और धुएं का संकेत मिलता है, तो सिस्टम स्वतः सक्रिय हो जाएगा। इसके लिए किसी व्यक्ति द्वारा अलग से कोई बटन दबाने की आवश्यकता नहीं होगी। जाहिर है आपातकालीन सेवाओं को भी मजबूत करना होगा। दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स तय करना ही काफी नहीं, इनकी पहचान कर वहां चेतावनी संकेत, कैमरे और रोशनी का पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। हादसों पर शोक जताना अब पर्याप्त नहीं। अगर सरकार और प्रशासन ने तुरंत कठोर कदम नहीं उठाए तो हर नई बस, नया राजमार्ग मौत की नई पटकथा लिखेगा।

(लेखक चिकित्सक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

पुण्यतिथि पर विशेष
हर्षवर्धन पान्डे

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था, एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है, जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुंचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में इनका नाम नरेन्द्रनाथ था। ये काफी चंचल प्रवृति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थी, लिहाजा मां के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानंद की मां इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थी तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया, साथ ही अपनी मां की तरह वह भी शिवशंकर के अनन्य भक्त हो गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी मां से कहा करते कि उनमें शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी मां चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा संन्यासी न बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रुचि लेने लगे।

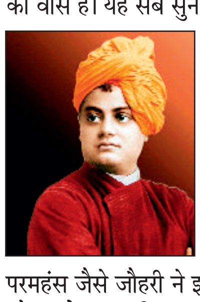

पढ़ाई में यह अव्वल दर्जे के छात्र थे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जो एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वंद्व से गुज़रना पड़ा। परमहंस जैसे जौहरी ने इस रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने संन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की। विवेकानंद का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरूरी है क्योंकि गुरु ही अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानंद ने अपने जीवन में न केवल उतारा, बल्कि लोगों को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बढ़ने की राह खोली। 11 सितंबर 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहां भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके ज़बरदस्त प्रभाव छोड़ा।

उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधों पर थी। स्वामी विवेकानन्द के अनुसार वास्तविक धर्म किसी समाज, जाति, नस्ल, वंश, स्थान और समय तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका लक्ष्य सामाजिक कल्याण है। स्वामी विवेकानंद के अनुसार नैतिकता और धर्म एक ही हैं और इन मूल्यों से ओतप्रोत शिक्षा विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करने में सहायक है। 4 जुलाई 1902 को उनका देहावसान हो गया। बेहतर होगा कि युवा पीढ़ी उनके विचारों से कुछ सीखे और उनको आयकन बनाने के बजाए उनकी शिक्षा को अपने में उतारे और प्रगति पथ पर चले।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जो अच्छा काम करना है, उसे आलस छोड़कर तुरंत करें

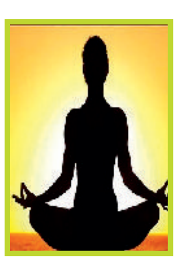

संकलित
दर्शन

शिव का अर्थ है- भोलापन। दुनिया में भोलापन उदय हो जाए, इसका उपाय है- 'शिव सूत्र'। शिव सूत्र छोटे-छोटे सुंदर सूत्र हैं। जीवन के लिए एक सूत्र ही काफी है। आपका जीवन इन सूत्रों के आनंदमय प्रकाश से भर जाएगा। जीवन में भोलापन उदय हो जाएगा। हमारा शरीर और मन दोनों अलग-अलग नियमों पर चलते हैं; जैसे- आप जितना व्यायाम करेंगे, शरीर उतना हष्ट-पुष्ट होने लगता है, लेकिन मन के लिए एक अलग ही ढंग है। आप जितना विश्राम करेंगे, मन उतना ही तेज होने लगेगा। सबने सुना है, सब भगवान की इच्छा से होता है। 'तेन विना तृणमपि न चलति' उसकी इच्छा के बिना एक पत्ता भी नहीं हिलता। तो जो भी होता है, सब भगवान ही करते हैं। जब हमें अपना पुरुषार्थ या उद्यम नहीं करना होता है, तो हम कह देते हैं कि जैसी भगवान की इच्छा। जब हमारा संकल्प मजबूत नहीं होता है, तब कह देते हैं कि भगवान की इच्छा। लेकिन, ये बात और जगहों पर लागू नहीं होती है। जब भगवान भोजन कराएंगे, तब करेंगे। जब भगवान सिनेमा दिखाएंगे, तब देखेंगे। हम अपनी इच्छा और प्रभु की इच्छा को अलग-अलग मानते हैं। ऐसे लोगों को 'अनुकूल सिंधु' कहते हैं। जो अपने अनुकूल हुआ, वह मैंने किया है और जो प्रतिकूल हुआ, वह भगवान ने किया। कहीं जीत हो जाए तो मैंने जीता और कहीं हार गए तो भगवान की इच्छा। हम यह नहीं कहते हैं कि हमने अपनी पूरी शक्ति नहीं लगाई थी, इसलिए हम हार गए।

बिना लड़ाई किए धैर्य से भी जीता जा सकता है

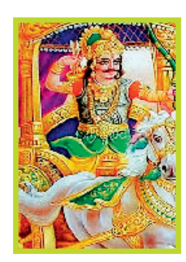

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में युधिष्ठिर को चक्रवती सम्राट बनाने के लिए राजसूय यज्ञ किया गया था। इसके लिए सभी राजाओं पर जीत हासिल करनी थी। इस काम के लिए अर्जुन ने विजय यात्रा शुरू कर दी। जहां-जहां अर्जुन जा रहे थे, वहां के राजाओं को पराजित करते हुए आगे बढ़ रहे थे। जो राजा अर्जुन की सेवा स्वीकार कर रहे थे, अर्जुन उन पर कर लगाकर आगे बढ़ रहे थे। इस यात्रा के दौरान अर्जुन कुरु नाम के राज्य में पहुंचे। अर्जुन पहुंचे तो कुरु राज्य के द्वारपाल और लोगों ने अर्जुन से कहा कि आप इस नगर को युद्ध करके जीत नहीं सकते, क्योंकि जो व्यक्ति इस नगर में युद्ध के लिए प्रवेश करता है, उसकी मृत्यु हो जाती है। ऐसा इस राज्य को वरदान मिला हुआ है। अर्जुन ने सोच-विचार करके कहा कि ठीक है, मैं यहां युद्ध नहीं करूंगा। अर्जुन की बात सुनकर लोगों ने कहा कि युद्ध के अलावा अगर आपकी कोई इच्छा है तो वह पूरी हो सकती है। अर्जुन ने कहा कि मैं हमारे भाई युधिष्ठिर को चक्रवर्ती सम्राट बनाना चाहता हूं। मुझे आपसे युद्ध नहीं करना है। आप बस मुझे कर के रूप में थोड़ा सा धन दे दीजिए। ये धन लेकर मैं लौट जाऊंगा। लोगों ने अर्जुन की बात मानकर थोड़ा सा धन दे दिया। धन लेकर अर्जुन दूसरे राज्य की ओर बढ़ गए। अर्जुन ने संदेश दिया है कि हर शत्रु को युद्ध करके पराजित नहीं किया जा सकता है, कुछ शत्रुओं के सामने बुद्धि और धैर्य का उपयोग करना चाहिए। बुद्धि का उपयोग करते हुए भी शत्रुओं की हराया जा सकता है।

अंतर्मन

आज की पाती

अमरनाथ यात्रा को सुरक्षा प्रदान करना जरूरी

अमरनाथ यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। हर वर्ष देश के अलग अलग राज्यों से लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए कठिन पहाड़ी मार्ग से गुजरते हैं। इस यात्रा का महत्व जितना धार्मिक है उतना ही राष्ट्रीय भी है क्योंकि यह यात्रा जम्मू कश्मीर में बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले सबसे संवेदनशील आयोजन मानी जाती है। इसी कारण प्रशासन, सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां कई महीने पहले से इसकी तैयारी शुरू कर देती हैं। इस वर्ष भी यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह दिखाई दे रहा है और पंजीकरण केंद्रों पर बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं।

- कांतिलाल मांडोत, सूरत

करंट अफेयर

मोल्दोवा के पीएम का इस्तीफा सरकार पर संकट गहराया

मोल्दोवा के प्रधानमंत्री एलेक्जेंड्रु मुंटेनु ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। मुंटेनु के इस अप्रत्याशित कदम से सरकार पर संकट गहरा गया है। हालांकि, उन्होंने अपने इस्तीफे का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया। मुंटेनु का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब यूरोपीय संघ की सदस्यता के उम्मीदवार इस देश में नेतृत्व संभाले उन्हें एक वर्ष से भी कम समय हुआ था। मुंटेनु ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, आज (शुक्रवार को) मैं प्रधानमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त कर रहा हूं। जिस क्षण मुझे यह महसूस हुआ कि मैं अब अपने सिद्धांतों और विश्वासों के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं कर सकता, मैंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, मैंने प्रधानमंत्री पद बड़ी जिम्मेदारी और इस मजबूत विश्वास के साथ स्वीकार किया था कि मैं परिस्थितियों को बेहतर बनाने में योगदान दे सकता हूं। मोल्दोवा में जब कोई प्रधानमंत्री अपने इस्तीफे की घोषणा करता है, तो वह तुरंत प्रभाव से लागू हो जाता है लेकिन नई मंत्रिपरिषद के गठन तक कार्यवाहक सरकार काम करती रहती है। मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सांदु ने मुंटेनु के इस्तीफे के बाद प्रेस में जारी एक बयान में मोल्दोवा के लिए 'जटिल दौर' के दौरान मुंटेनु के नेतृत्व के लिए उनका धन्यवाद किया।

ऑफ बीट

तारा कहलाने की कसौटी आखिर क्या है?

पृथ्वी से करीब 1,350 प्रकाश वर्ष दूर टीओआई-2155 नाम का एक तारा है। यह सूर्य से थोड़ा बड़ा, अधिक भारी और ज्यादा गर्म है लेकिन यह अपने आप में न तो विशेष रूप से रोचक है और न ही असामान्य।

लेकिन टीओआई-2155 की परिक्रमा कर रही एक वस्तु वास्तव में बेहद दिलचस्प है। इसे टीओआई-2155बी कहा जाता है और यह तारे से काफी छोटी है। इसके बारे में हमें तब पता चलता है जब यह छोटी चीज अपने मुख्य तारे के सामने से गुजरती है और तारे की रोशनी में बहुत मामूली बदलाव होते हैं। टीओआई-2155बी आखिर क्या है? एक छोटा तारा, एक विशाल ग्रह या फिर दोनों के बीच की कोई वस्तु? अभी यह स्पष्ट नहीं है कि टीओआई-2155बी को पूरी तरह तारा माना जा सकता है या नहीं। तारे अंतरिक्ष में मौजूद गैस के विशाल पिंडों के रूप में बनना शुरू होते हैं लेकिन गैस का कोई पिंड कितना बड़ा और भारी होना चाहिए कि वह तारा बन सके? यह सवाल सरल लगता है लेकिन खगोलविद इसके जवाब पर दशकों से बहस करते रहे हैं। किसी तारे के भीतर गुरुत्वाकर्षण का दबाव इतना अधिक होना चाहिए कि वह हाइड्रोजन परमाणुओं को आपस में मिलाकर हीलियम परमाणुओं में बदल सके और यह प्रक्रिया लंबे समय तक लगातार जारी रहे।

ट्रेंड

अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ जी की यात्रा सनातन संस्कृति के प्रति अटूट श्रद्धा, दृढ़ धैर्य, संयम और अदम्य साहस का पवित्र प्रतीक है। बाबा बर्फानी के दर्शन और पूजा के लिए जा रहे श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

मणिपुर जल रहा

मणिपुर वर्षों से जल रहा है। आज फिर नफरत और हिंसा की आग में 20 घर राख हो गए। दो सरकारों और राष्ट्रपति शासन के बावजूद, संघर्ष और गहराता जा रहा है। हजारों लोगों ने अपनी जान गंवाई है, मणिपुर जिस असहनीय पीड़ा से गुजर रहा है, उसकी कल्पना भी करना मुश्किल है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

भाजपा

यह सुनिश्चित करने के लिए कि दिल्ली के हर निवासी को नई ईवी पॉलिसी का फायदा मिले, आज हमने पोर्टल लॉन्च किया है। अब आप घर बैठे ईवी सब्सिडी और दूसरे इंसेंटिव के लिए अप्लाई कर सकते हैं, रियल-टाइम में स्टेटस ट्रैक कर सकते हैं।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

पूजा सिंघल का मामला

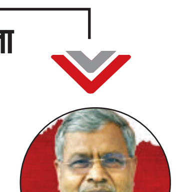

"चरित्र संगति से बनता है, चरित्र संगति के साथ बिगड़ता है।" पूजा सिंघल का मामला, जिन्हें कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़े अभियान का प्रतीक माना जाता था, अब सत्ता के मंच पर दिखाई दे रही हैं, स्वाभाविक रूप से कई सवाल खड़े करता है।

- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

ई-रिक्शा रोकने वाले बेट-बीएमएस सहित तीन ऐप्स को प्लेस्टोर से हटाने का आदेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ई-रिक्शा चालकों को इन दिनों एक अजीब समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर चलते-चलते ई-रिक्शा अचानक बंद हो जाते हैं और दोबारा स्टार्ट नहीं होते। खास बात ये है कि ये सब किसी खराबी या बैटरी डिस्चार्ज की वजह से नहीं, बल्कि चीनी ऐप की मदद से हो रहा है। जिसके बाद केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने ऐसे मोबाइल ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई की है, जिनका इस्तेमाल चलते हुए ई-रिक्शा को बीच सड़क में बंद करने के लिए किया जा रहा था। मामले की जानकारी मिलने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर से हटाने का आदेश दिया है।

तीन ऐप्स हटाए गए : केंद्र सरकार ने बेट-बीएमएस, Epoch-i-ion और Lossigy ऐप्स नाम के इन ऐप्स को ऐप स्टोर से हटाने का आदेश दिया है। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसे ऐसे तीन ऐप के बारे में पता चला था और उन्हें ऐप स्टोर से हटा दिया गया है। ये ऐप बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम ऐप हैं, जो ब्लूटूथ के जरिए लिथियम-आयन बैटरी से कनेक्ट होकर उसकी निगरानी करते हैं।

जेल और 5 लाख तक जुर्माने का प्रावधान

वहीं अगर आप भी इस ऐप का इस्तेमाल करके किसी ई-रिक्शा को बंद करने की सोच रहे हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए. इंटरनेशनल कमीशन ऑफ साइबर सिक्योरिटी लॉ के चेयरमैन पवन दुग्गल ने कहा कि ये कोई सामान्य हरकत या मजाक नहीं, बल्कि एक अपराध है। ये सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66, जिसे धारा 43 के साथ पढ़ा जाता है, के तहत दंडनीय हो सकता है। ऐसे अपराध के लिए 3 साल तक की जेल और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

एक क्लिक में रुक जाते थे ई-रिक्शा, लोगों को हो रही थी परेशानी

ऐसे किया जा रहा था गलत इस्तेमाल

शरारत करने वाले लोग मोबाइल में ऐप खोलकर आसपास मौजूद ई-रिक्शा की बैटरी से ब्लूटूथ के जरिए कनेक्ट हो जाते थे। इसके बाद ऐप में मौजूद डिस्चार्ज स्विच दबाते ही ई-रिक्शा की बैटरी की पावर कट जाती थी और वाहन बीच सड़क में रुक जाता था। ड्राइवर को समझ ही नहीं आता था कि आखिर ई-रिक्शा अचानक क्यों बंद हो गया। वाहन तब तक दोबारा चालू नहीं होता था, जब तक उसी ऐप से उसे फिर से ऑन न किया जाए। ऐसे लोग ई-रिक्शा चालकों से पैसा वसूल कर रहे थे।

आईटी सेक्रेटरी ने की पुष्टि

कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कृष्णन ने कहा, यह सच है... कुछ ऐप हैं जिनके बारे में हमें पता चला और उन ऐप स्टोर से हटा दिया गया है। उन्होंने यह पुष्टि सीआईआई साइबर सिक्योरिटी समिट के दौरान की। यह मामला गुरुवार को तब चर्चा में आया जब ऐसे वीडियो सामने आए जिनमें चीनी स्मार्टफोन ऐप बेट-बीएमएस से जुड़े रिमोट शटडाउन फीचर के जरिए कुछ ई-रिक्शा को दूर से ही रोका जा रहा था। इन वीडियो ने साइबर सिक्योरिटी को होने वाले खतरों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

पूरे देश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 9 जुलाई को होगा अंतिम संस्कार

तेहरान पहुंचा खामेनेई का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार में जुटेंगे करोड़ों लोग

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। इस दौरान ईरान के कई शहरों में कार्यक्रम आयोजित होंगे। 9 जुलाई को उन्हें उनके गृह नगर मशहद में दफनाया जाएगा।

एजेंसी ▶▶| तेहरान

खामेनेई इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमले में मारे गए थे। इस हमले में खामेनेई के अलावा उनकी बेटी, दामाद, पोती और बहू के साथ कई शीर्ष ईरानी अधिकारियों की भी मौत हो गई थी। इसी हमले में उनके बेटे मोजतबा खामेनेई भी घायल हो गए थे, जो बाद में अगले सर्वोच्च नेता बनाए गए। खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में 1.5 से 2 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान है। पूरे देश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भी खामेनेई को श्रद्धांजलि दी।

आज से कार्यक्रम, 9 को अंतिम संस्कार

अंतिम विदाई समारोह 4 जुलाई की सुबह तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड प्रेयर ग्राउंड्स में शुरू होगा। यहां लोगों को अंतिम दर्शन का अवसर मिलेगा। इसके बाद 5 जुलाई की सुबह अंतिम संस्कार की नमाज के बाद अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। उनकी अंतिम यात्रा 6 जुलाई से शुरू होगी, जो 9 जुलाई को मशहद में समाप्त होगी। यहीं खामेनेई और उनके परिवार का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

इराक भी ले जाया जाएगा शव

खामेनेई का शव 7 जुलाई की शाम को इराक के नजर शहर ले जाया जाएगा। 8 जुलाई को सुबह 6 बजे नजफ और शाम 4 बजे कर्बला में अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। दरअसल, नजफ और कर्बला शिया इस्लाम के सबसे पवित्र शहरों में गिने जाते हैं। नजफ़ में पहले शिया इमाम और पैगंबर मोहम्मद के चचेरे भाई इमाम अली का रौजा है। वहीं, कर्बला में इमाम हुसैन का मजार है, जो शिया इस्लाम की सबसे अहम हस्ती हैं।

भारत सहित दुनिया भर से पहुंचे प्रतिनिधिमंडल

खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत सहित 30 से ज्यादा देशों के नेता और प्रतिनिधि और 90 देशों के धार्मिक प्रतिनिधियों को समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा 4 जुलाई को ईरान जाकर अंतिम संस्कार समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।पाकिस्तान, रूस और चीन समेत कई देशों के प्रतिनिधिमंडल ईरान पहुंच रहे हैं।

मोजतबा खामेनेई अंतिम संस्कार में नहीं होंगे शामिल

भारत में ईरान के वर्तमान नेतृत्व के प्रतिनिधि अयातुल्ला हकीम इलाही ने बताया कि सुरक्षा कारणों से नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अपने पिता के अंतिम संस्कार में सार्वजनिक रूप से शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि इजरायल से जुड़े संभावित सुरक्षा खतरे और निगरानी की आशंका को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हुए दोनों देश

जापान ने कहा- आतंकवाद बर्दाश्त नहीं, लगाम लगाए पाक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और जापान ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। नई दिल्ली में हुई भारत-जापान वार्षिक शिखर बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सना तकाइची ने आतंकवाद के हर रूप की कड़ी निंदा की।

दोनों नेताओं ने खास तौर पर पाकिस्तान से होने वाले सीमा पार आतंकवाद को वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा बताया। संयुक्त बयान में दोनों प्रधानमंत्रियों ने 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही 29 जुलाई 2025 की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मॉनिटरिंग टीम की उस रिपोर्ट का भी जिक्र किया, जिसमें द रेजिस्टेंस फ्रंट का जिक्र किया गया था। उन्होंने कहा कि इस हमले के दोषियों, साजिश रचने वालों और आर्थिक मदद देने वालों को बिना किसी देरी के कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए।

पाकिस्तान बढ़ा रहा आतंकवादियों को

संयुक्त बयान में कहा गया, हम आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के हर रूप और अभिव्यक्ति की बिना किसी शर्त के कड़ी निंदा करते हैं। इसमें पाकिस्तान से होने वाला सीमा पार आतंकवाद भी शामिल है। भारत और जापान का यह साझा रुख ऐसे समय सामने आया है, जब भारत लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुद्दा उठा रहा है। संयुक्त बयान को आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों की मजबूत रणनीतिक साझेदारी और वैश्विक सहयोग के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया शाखाः खरसिया (छ.ग.)
Central Bank of India Branch: Kharsia (C.G.)

यतः **परिशिष्ट-4 नियम-8 (1) कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति के लिए)**

अधोहस्ताक्षरी ने जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 का अधिनियम के अधीन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का प्राधिकृत अधिकारी हैं, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधार लेने वाले को निम्नलिखित तिथि को एक मांग नोटिस में उल्लेखित रकम तथा उस पर ब्याज उक्त नोटिस प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर प्रतिदाय करने की मांग करने के लिए जारी की थी। उधार लेने वाले द्वारा रकम का प्रतिदाय करने में असफल रहने पर, उधार लेने वाले और जनसाधारण को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 4 के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित दिनांक को इसमें नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। उधार लेने वाले को विशिष्ट रुप से और जनसाधारण को इसके द्वारा सावधान किया जाता है कि वह इस संपत्ति से संबंधित कोई व्यवहार न करें एवं यदि करता है तो वह निम्नलिखित देय धनराशि तथा उस पर देय ब्याज तथा व्यय के लिए **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया** के प्रभार के अधीन होगा।

देनदार का ध्यान रक्षित संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय हेतु अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि/राशि
1.	ऋणी- श्री दिनेश अम्बवानी एवं श्रीमती रेणु देवी अम्बवानी	**दिनेश कुमार अम्बवानी** के नाम पर खसरा न. 50/1, ग्राम- मकारी, प.ह.नं. 17, रा.नि.मं.- खरसिया, तहसील- खरसिया, जिला- रायगढ़, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल 0.167 हेक्टेयर वाले प्लॉट पर निर्मित गोदाम एवं भूमि। **विक्रय विलेख के अनुसार चौहद्दीः उत्तर-** दीनदयाल की भूमि, **दक्षिण-** योगेश की भूमि, **पूर्व-** रामलाल एवं दिनेश की भूमि, **पश्चिम-** दिनेश की भूमि।	03/02/2026 ₹ 13,71,090.91 + ब्याज एवं अन्य शुल्क कब्जा लेने की तारीख 01/07/2026
2.	ऋणी- श्री खेमलाल साहू एवं श्री कमल साहू	1) **श्री खेमलाल साहू** के नाम पर ग्राम- बानिपाथर, प.ह.नं. 00009, रा.नि.मं.- खरसिया, तहसील- खरसिया, जिला- रायगढ़। क्षेत्रफल 0.04 हेक्टेयर प्लॉट नं. 467 में शामिल भूमि पर स्थित भवन, सुपर स्ट्रक्चर, आम रास्ते और बैंक की सुरक्षित संपत्ति के समस्त भाग व अंश। **चौहद्दीः उत्तर-** गिरधर की भूमि, **दक्षिण-** गली, **पूर्व-** झनकराम की भूमि एवं **पश्चिम-** लखनलाल की भूमि। 2) ग्राम- सिरियागढ़, प.ह.नं. 8, रा.नि.मं.- डभरा, तहसील- डभरा, जिला- जांजगीर-चांपा। क्षेत्रफल 0.081 हेक्टेयर प्लॉट नं. 690/1 में शामिल भूमि पर स्थित भूमि, भवन, सुपर स्ट्रक्चर, आम रास्ते और बैंक की सुरक्षित के संपत्ति समस्त भाग व अंश। **चौहद्दीः उत्तर-** गुरुदलाल की भूमि, **दक्षिण-** शिवप्रसाद की भूमि, **पूर्व-** शिवप्रसाद की भूमि, **पश्चिम-** पहुँच मार्ग।	03/02/2026 ₹ 19,52,822.15 + ब्याज एवं अन्य शुल्क कब्जा लेने की तारीख 01/07/2026

दिनांकः 04.07.2026, स्थान- खरसिया (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

रूस ने यूक्रेन पर की 74 मिसाइलों और 496 ड्रोन की बारिश

एजेंसी ▶▶| मॉस्को

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर 11 घंटे तक ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया है। इस जबरदस्त हमले में कम से के 27 लोग मारे गए जबकि 90 घायल हुए हैं। मॉस्को ने कहा है कि यह हमला रूसी तेल ठिकानों पर यूक्रेन के हमलों का बदला था। कीव से मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हवाई चेतावनी जारी होने के बाद 50000 से ज्यादा लोगों ने बचाव के लिए सबवे स्टेशनों में शरण ली। हमले से यूक्रेनी राजधानी पूरी तरह हिल गई। कई अपार्टमेंट इमारतें ढह गईं या जलकर खाक हो गईं।

रूस ने कहा यूक्रेन के हमलों का जवाब : रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह बमबारी हाल ही में यूक्रेनी सेना के लंबी दूरी के हमलों का जवाब थी। यूक्रेन ने रूसी तेल ठिकानों पर भीषण ड्रोन हमला किया था, जिसके कारण रूस में ईंधन की कमी हो गई है। यूक्रेन की विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि राजधानी में यह खौफनाक रात थी।

विदेश दौरा छोड़कर लौटे जेलेंस्की

हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को अपना आयरलैंड दौरा छोड़कर लौटना पड़ा है। उन्होंने लौटते ही हमले में प्रभावित कुछ जगहों का दौरा भी किया है। इस दौरान जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों के प्रति नाराजगी जताई। जेलेंस्की ने कहा कि अगर वादे के मुताबिक पश्चिमी देश समय पर एयर डिफेंस सिस्टम उपलब्ध करा देते, तो तबाही कुछ कम होती।

रूस ने 74 मिसाइल 496 ड्रोन दागे

रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस ने कीव पर तड़के यह हमला किया। इस दौरान सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने रातभर में करीब 74 मिसाइलें और 496 ड्रोन दागे। पूरी रात कीव के कई इलाकों में लगातार धमाकों की आवाजें गूंजती रहीं। वहीं पूरा शहर काले धुएं की जद में आ गया।

रुपया 14 पैसे मजबूत होकर 95.21 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को 14 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.21 (अस्थायी) पर रहा। डॉलर सूचकांक के पिछले 15 महीनों के उच्च स्तर से नीचे आने से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग के कारण रुपये पर दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह डॉलर के मुकाबले 95.16 से 95.35 के दायरे में रहा। अंत में रुपया 95.21 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 14 पैसे की बढ़त है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-127-26-27, दिनांकः 29.06.2026.
कार्यः सहायक मंडल अभियंता/ मध्य/ बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ब्रिज नं. 27के अप पर विंग वॉल, फ्लोरिंग आदि की प्रावधान और 12.2 मीटर के स्टील गर्डर को डुअल आरसीसी बॉक्स से प्रतिस्थापित करने का कार्य। **निविदा मूल्यः** ₹ 2,79,52,549.64. **अमानत राशिः** ₹ 5,59,100.00. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या (2) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-128-26-27, दिनांकः 29.06.2026.
कार्यः सहायक मंडल अभियंता/ पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अमरकंटक में ओआइबी (ऑफिसर्स इंस्पेक्शन बंगलो) का सुधार जिसमें लॉन गार्डन का विकास शामिल है, वेल्डिंग उपकरणों के लिए टूल रूम/ गैंग रेस्ट रूम की व्यवस्था और घाट सेक्शन में स्टेशनरी पेट्रोलिंग के लिए गुमटी की व्यवस्था। **निविदा मूल्यः** ₹ 72,36,640. 41. **अमानत राशिः** ₹ 1,44,700.00. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 14.07.2026 के 11.00 बजे से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 28.07.2026 के 11.00** बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/ बिलासपुर
सीपीआर/10/पीएच/250
South East Central Railway @secrail

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION CO. LTD.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (A Successor company of CSEB)
Office of The Executive Engineer (Civil) Dn. Bishunpur, Ambikapur
E-mail :- EECIVIL.AMBIKAPUR@CSPC.CO.IN

No. EE(C) /Dn/Work./394 Ambikapur Dt. 30.06.2026

-: TENDER NOTICE :-

Sealed tenders in the prescribed tender form are invited from the vehicle owners/suppliers dealing in the subject, having GST, EPF & ESIC Registration for the following works:-

Detailed terms and conditions along with tender form can be obtained from **O/o E.E. (Civil) Dn. CSPDCL, Ambikapur** on payment of tender fee Rs. 2,000/- (Rs. Two thousand only) (Non-Refundable) (i/c of G.S.T) in case it is desired in-person. If the same is required urgently by registered post, Rs. 200/- (Two hundred only) shall be, paid extra. This amount may be paid through postal orders/D.D. in favor of **R.A.O. CSPDCL, Ambikapur**

S. No	Tender Sp. No.	Name of work	Contract value i/c GST (In Rs.)	Cost of Tender Fee (Rs.) i/c GST	EMD (In Rs.)	Work Period	Last date and time of purchase of tender	Date& time of submission/ opening of tender
01	का.य.सि /वित./अ. पुर/निविदा 26–27/25	Hiring of 01 No. vehicle SUV (Earlier Jeep) Category for the use of AE (Civil) Sub Dn. Ambikapur under EE (Civil) Dn. CSPDCL Ambikapur.	7,04,138/-	2,000.00	7,100/-	01 Year	20/07/2026 Up to 04:0 PM	21/07/2026 Up to 04:15 PM
02	का.य.सि /वित./अ. पुर/निविदा 26–27/26	Hiring of 01 No. vehicle SUV (Earlier Jeep) Category for the use of EE (Civil) Dn. CSPDCL Ambikapur.	7,04,138/-	2,000.00	7,100/-	01 Year	20/07/2026 Up to 04:0 PM	21/07/2026 Up to 04:15 PM

Eligibility Criteria :- 01. Bidder should be vehicle owner/vehicle supplier. 02. The Ex-Show room price of the SUV vehicle must not be more than 11.00 lakh Rupees. 03. Light Commercial Vehicle (Pickup) Category Shall be 1.0-1.5 Ton Capacity. 04. The bidders shall have valid and active registration in GST, EPF & ESIC department and has to submit its proof. 05. The vehicle should be registered under taxi quota in transport department. 06. Bidder should not have been debarred/blacklisted by the state Govt./Central Govt./State PSU/SEB/Power Utility as on the date of opening of tender 07. No joint venture shall be permitted. 08. The detail terms and condition of the tender will be as per the tender document.

Complete tender should reach in the **O/o E.E. (Civil) Dn. CSPDCL, Ambikapur** on or before time and date specified above. Tenders shall be opened on the dates time specified above in presence of such tenders or their authorized representatives, who are present.

The tenderers shall deposit earnest money of respective amount as mentioned in table above only for above works. The tenderers are also instructed to follow the tender specification strictly. The earnest money shall be deposited in the form of postal orders /DD in favor of **R.A.O. CSPDCL, Ambikapur** No tender will be opened or accepted without deposit of earnest money.

The undersigned reserves the right to reject any or all the tender forms or accept any in full or part considered advantageous to the CSPDCL without assigning any reason.

This office will not be responsible for delay on any account in receipt of tender documents/earnest money.

(VishalChoudhary-18310289)
Executive Engineer (Civil) Dn.
C.S.P.D.Co.Ltd. Ambikapur

//Save Electricity//

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India
सी.जी.-डी.एल.-अ.-02072026-273995
CG-DL-E-02072026-273995
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3270] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 25, 2026/आषाढ 4, 1948
No. 3270] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 25, 2026/ASHADHA 4, 1948

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 24 जून, 2026

का.आ. 3404 (अ) — केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ.868(अ) तारीख 17 फरवरी 2026, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिलेमें NH-130ए के कि.मी. 114.450 से कि.मी.121.410 (उरगा–पत्थलगांव खण्ड) तक के राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण (चौड़ाकरने/चार लेन का बनाने, आदि), अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख "21 फरवरी 2026" को "हरिभूमि" और "हितवाद" दोनों में प्रकाशित किया गया था ;

जबकि सक्षम प्राधिकारी को धारा 3–ग के तहत दायर आपत्ति प्राप्त हुई है, जिस पर विचार किया गया है और उसका उचित रूप से निपटान किया गया;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए ;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी ।

अनुसूची

छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 130ए के कि.मी.114.450 से कि.मी.121. 410 (उरगा–पत्थलगांव खण्ड) के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

ज़िला: रायगढ़
https://egazette.gov.in
प्रकाशन तिथि: 24/06/2026
https://bhoomirashi.gov.in

फाइल नंबर : NHAI/LA/27011/03/Notif.-CG/Bilaspur/3D
शेख अमीन खान, निदेशक

नोट : इस अधिसूचना की वास्तविक प्रति सक्षम प्राधिकारी (भू–अर्जन)/पीआईयू/पीएमयू/आरओ/ईडी के कार्यालय में भी उपलब्ध है और भूमि मालिक वहां भी अधिसूचना देख सकते हैं।

1 अप्रैल 2023 को चमारी गांव में शहनाइयां गूंज रही थीं। घर मेहमानों से भरा था, नई-नवेली दुल्हन का गृह प्रवेश हो चुका था और शादी में मिले उपहारों को बड़े सहेजकर घर के एक कमरे में रखा गया था। किसी ने भी नहीं सोचा था कि इन्हीं उपहारों में रखा एक होम थिएटर कुछ ही घंटों बाद पूरे परिवार की जिंदगी बदल देगा।

मौत का तोहफा

शादी की खुशियां 48 घंटे भी नहीं टिक पाई, होम थिएटर ऑन करते ही उजड़ गया था पूरा परिवार

● कवर्धा से महेश मिश्रा

दो दिन बाद, 3 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे। दूल्हा हमेंद्र मेरावी (24) ने शादी में उपहार स्वरूप मिले होम थिएटर को पहली बार चलाने के लिए स्विच ऑन किया। अगले ही पल ऐसा धमाका हुआ कि पूरा गांव दहल उठा। यह कोई सामान्य विस्फोट नहीं था। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कमरे की दीवार भरभराकर गिर गई। खपरैल की छत के टुकड़े 30 से 40 फीट दूर तक जा गिरे। लोहे की अलमारी चिथड़ों में बदल गई। पलंग, कूलर, बर्तन और शादी में मिले दूसरे उपहार मलबे में तब्दील हो गए। घर में कुछ देर पहले तक पसरा उत्सव का माहौल देखते ही देखते चीख-पुकार में बदल गया। धमाके में दूल्हा हमेंद्र मेरावी की मौके पर ही मौत हो गई। उसका बड़ा भाई राजकुमार मेरावी (30) भी गंभीर रूप से घायल हुआ और उसने भी दम तोड़ दिया। वहीं पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें तीन वर्षीय सौरभ सहित सूरज मेरावी, शिव मेरावी, दीपक सिंह और शेर सिंह शामिल थे, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

एमपी पुलिस की मदद से हुआ आरोपी गिरफ्तार

धमाका ऐसा कि गांव दहल उठा

विस्फोट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के ग्रामीणों को पहले लगा कि घर में गैस सिलेंडर फट गया है। लेकिन जब लोग मौके पर पहुंचे तो दृश्य कुछ और ही था। पूरा कमरा मलबे में तब्दील था और हवा में बारूद जैसी तेज गंध फैली हुई थी। यह देखकर ग्रामीण भी हैरान रह गए। मृतक हमेंद्र कबड्डी का अच्छा खिलाड़ी था। उसकी शादी 1 अप्रैल को अंजना गांव की ललिता से हुई थी। टिकावन के दौरान मिले उपहारों में यह होम थिएटर भी शामिल था। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि खुशियों का यह तोहफा मौत का कारण बन जाएगा।

होम थिएटर के अवशेष जब्त

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंच गई। विस्फोट स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया और होम थिएटर के अवशेष जब्त किए गए। जांच के दौरान दुल्हन पक्ष से शादी में दिए गए उपहारों की जानकारी भी जुटाई गई। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई थी, जिसे पुलिस ने संभाला। तत्कालीन थाना प्रभारी दुर्गेश रावटे के अनुसार इस वारदात में पुलिस ने हर पहलू से जांच की और फॉरेंसिक रिपोर्ट बनाए गए।

शादीशुदा है आरोपी

पुलिस ने जांच में पाया कि आरोपी सरजू मरकाम पहले से शादीशुदा है, उसके दो बच्चे भी हैं। आरोपी सरजू गाड़ियों का मेकेनिक है और इलेक्ट्रॉनिक्स का भी अच्छा जानकर है। ग्राम बैहर में एक ऑटो रिपेयरिंग दुकान पर काम करता है, जहां एमपी पुलिस की मदद से उसकी गिरफ्तारी हुई।

डेढ़ किलो बारूद व अमोनिया नाइट्रेट से बनाया था विस्फोटक

आरोपी सरजू ने अकेले ही इस वारदात को अंजाम दिया। 31 मार्च को उसने तय किया। ग्राम मंडई जिला बालाघाट (मप्र) के अमर इलेक्ट्रानिक दुकान से 1 हजार रुपए में होम थिएटर खरीदा। पेमेंट उसने ऑनलाइन किया था। उसी दिन घर में बैठकर इसे विस्फोटक की शक्ल दी। पटाखे से करीब डेढ़ किलो बारूद और 250 ग्राम अमोनिया नाइट्रेट के इस्तेमाल कर विस्फोटक बनाया। इसे होम थिएटर में इस तरह से प्लांट किया कि जैसे ही यह बिजली के संपर्क में आएगा, तो तुरंत ब्लास्ट हो जाएगा। फिर 1 अप्रैल को शादी मंडप के नीचे जहां दूल्हा- दुल्हन बैठे थे, वहीं पास में छोड़कर वापस चला गया था।

प्रेमिका और उसके पति को मारने सिरफिरे आशिक ने किया था बम प्लांट

आरोपी

ब्लास्ट मामले में लव एंगल सामने आया। जांच में यह तथ्य निकला कि आरोपी सरजू पिता बलदेव मरकाम (33) ग्राम छपला जिला बालाघाट (मप्र) का रहने वाला है। वह अपनी प्रेमिका की शादी से नाराज था। इसलिए सिरफिरे ने प्रेमिका ललिता और उसके पति हमेंद्र मेरावी को मारने के लिए बम प्लांट किया था। सरजू ने शादी के पहले प्रेमिका को कॉल कर कहा था कि तू इस शादी से कभी खुश नहीं रहेगी। वहीं मृतक हमेंद्र को भी इस शादी से मना करते हुए कुछ ऐसा करने की धमकी दिया था, जो उसे बहुत महंगा पड़ेगा। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह व तत्कालीन एएसपी मनीषा ठाकुर ने पूरे मामले का खुलाया किया। मामले में आरोपी सरजू मरकाम के खिलाफ धारा 302, 307, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 03, 05 के तहत एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की गई।

इंदौर के क्रशर प्लांट में काम कर चुका वहीं से सीखा विस्फोटक बनाना

आरोपी सरजू कक्षा 10वीं तक ही पढ़ा है। वर्ष 2015- 16 में वह इंदौर (मप्र) में किसी क्रशर प्लांट में काम करने गया था। इस दौरान वह एक्सपर्ट (विशेषज्ञ) की संगत में रहकर बारूद लगाने का काम करता था, वहीं से उसने अमोनिया नाइट्रेट से विस्फोटक बनाने सीखा। करीब 5 साल तक वहां काम किया। इस दौरान कुछ मात्रा में विस्फोटक सामग्री लाकर अपने घर में रखा था। उसी के इस्तेमाल से प्रेमिका व उसके पति को मारने बम प्लांट किया।

लिव इन पार्टनर की हत्या के बाद हैवानियत, शव को रस्सी से बांध नाले में फेंका, मर्डर की वजह चौंकाने वाली घटना भिलाई की है। जहां लिव-इन पार्टनर ने नशे में हुए विवाद के बाद प्रेमिका आरती की हत्या कर शव को बोरे में भरकर नाले में फेंका। पुलिस ने घटना के पांच दिनों बाद महिला के शव का शिनाख्त कर पाई। उसके बाद पुलिस आरोपी तक पहुंच पाई। यह जघन्य हत्याकांड 13 दिसंबर 2025 की सुबह की है। जहां सुपेला स्थित चंद्रा मौर्या टाकिज अंडरब्रिज के पास कार सर्विसिंग सेंटर के सामने नाले में जूट की बोरी और प्लास्टिक में लिपटा महिला का शव मिला था।

● भिलाई से जेएम तांडी

शराब पार्टी के बाद हत्या, लिव-इन पार्टनर को जूट और प्लास्टिक बोरी में ठूंसा

आसपास के लोगों ने बंद बोरे को देख सुपेला पुलिस को सूचना दी। बोरे को जब पुलिस ने खोलकर देखा तो सब चौक गए। बंद बोरी के भीतर हाथ पैर मोडकर एक महिला की शव को रखा गया था। महिला की शव की खबर लगते ही सनसनी फैल गई। मौके पर फॉरेंसिक एक्सपर्ट, एसीसीयू की टीम जांच के लिए पहुंची। महिला के शिनाख्त के लिए एसएसपी विजय अग्रवाल ने टीम बनाई, जो महिला के बारे में जानकारी जुटाने में लगी रही। मशक्कत के बाद किसी तरह सीसी टीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य, सोशल मीडिया और अखबारों की मदद से पुलिस जांच आगे बढ़ी। करीब 5 दिनों बाद 17 दिसंबर को सुपेला कृष्णा नगर निवासी योगेश निर्मलकर ने शव की तस्वीर, गोदना और चूड़ियों से शिनाख्त की। मृतका की पहचान आरती उर्फ भारती निर्मलकर के रूप में हुई। इस पूरे मामले में सुपेला थाना प्रभारी विजय यादव समेत उनकी टीम का बड़ा योगदान रहा है।

हत्याकांड का खुलासा करते एएसपी सुखनंदन राठौर व तत्कालीन क्राइम डीएसपी अलेक्सजेंडर किरो ने बताया कि आरती निर्मलकर उर्फ भारती (34) 4-5 महीने से प्रेमी तुलाराम बंजारे (33) के साथ कोसानगर में लिव-इन-रिलेशनशिप में रहती थी। 5 दिसंबर 2025 की शाम आरती और तुला दोनों ने शराब पार्टी की। इसके बाद खाना भी खाया। दोनों जमकर नशे में थे। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोपी तुला ने गुस्से में आकर आरती को थप्पड़ जड़ दिया। गला दबाया और उसके सिर को दीवार में जोर से टकरा दिया। आरती जमीन पर गिर पड़ी, फिर दोबारा उठी ही नहीं। घटना के बाद तुलाराम डर गया आरती के शव को एक प्लास्टिक की बोरी में भर दिया।

गोदना व चूड़ियों से परिजनों ने किया शिनाख्त

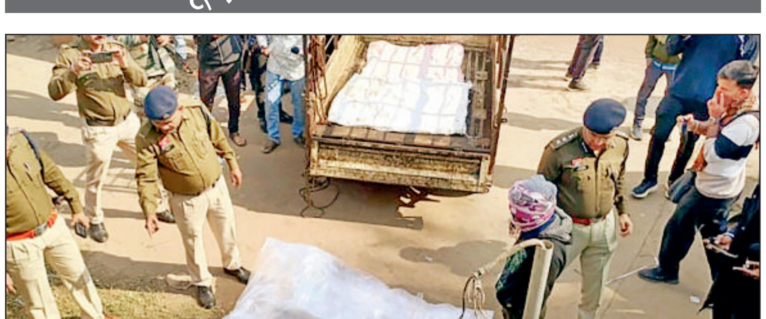

लाश को ठिकाने लगाने शहर में घूमते रहे

सुपेला पुलिस ने बताया कि आरती निर्मलकर की हत्या करने के बाद तुलाराम ने घटना की खबर अपने भाई गोवर्धन प्रसाद बंजारे (28) और दोस्त ऑटो चालक शक्ति भौयर (42) को दी। दोनों ने लाश को ठिकाने लगाने में आरोपी की मदद की। आरती की लाश को पैक कर शक्ति की ऑटो में डाला और उसे ठिकाने लगाने के लिए शहर में घूमते रहे। इसके बाद तीनों मौका मिलते चंद्रा-मौर्या अंडर ब्रिज के पास पहुंचे। यहां लोगों की आवाजाही होने की वजह से कई घंटों तक वे ऑटो में ही बैठे रहे। लोगों के जाने का इंतजार करते रहे। जब पूरा सन्नाटा हो गया तो तड़के 3 बजे लाश को नाली में रखकर भाग गए। मृतका को गुटखा खाने की बुरी लत थी, जब भी नशा करती थी विवाद अक्सर हुआ करता था। इससे तुलाराम परेशान था।

आरती के शव को घुटनों से मोड़ा

पुलिस ने बताया कि तुलाराम व आरती 5 दिसंबर को साथ बैठकर शराब पी। उसके बाद हत्या कर ठिकाने लगाने शव को छिपाने के लिए आरोपी ने अमानवीय तरीका अपनाया। उसने आरती की नाइटी उतारकर शव को घुटनों से मोड़ा, प्लास्टिक की रस्सी से बांधा, जूट और प्लास्टिक की बोरी में ठूंसा, नाइटी को घर के चूल्हे में जला दिया। पुलिस संदेह से बचने के लिए तुलाराम ने मोहल्ले में अफवाह फैलाई कि आरती अपने पिता के इलाज के लिए नागपुर चली गई है। घर में अपनी मां को भी बुला लिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी तुलाराम, गोवर्धन और शक्ति को पुलिस ने कड़ियां मिलाने के बाद गिरफ्तार किया था। पहले पति का नाम सुरेश और दूसरे का नाम लखन है। दोनों ही पति का पत्नी ने अपने हाथ में टैटू गुदवाया है। अभी पिछले 4-5 महीने आरती अपने प्रेमी तुलाराम के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी।

चारों ओर फाल्गुनी बयार बह रही थी। टेसू के पेड़ पर फूल अपनी खूबसूरती बिखेर रहे थे। होली के दिन में नगाड़े की थाप पर लोग मस्ती में थिरक रहे थे। बच्चे, युवा और बुजुर्ग एक दूसरे को रंगों से भिगोने के साथ गुलाल लगाकर सुखद भविष्य की कामना कर रहे थे, महिलाएं भी रंगोत्सव में डूबी थी। चारों ओर खुशियों के बीच किसी भी इस बात का रत्ती भर भी भान नहीं था कि गुलाल लगाने को लेकर उपजा विवाद किसी जघन्य गुनाह की वजह बन जाएगी।a

● राजनांदगांव से धन्य कुमार जैन

लाल गुलाल और लहू लुहान धरती

गुलाल लगाने का विवाद ने ली थी दो की जान

डोंगरगांव थाना अंतर्गत आने वाले करियाटोला वार्ड में 10 मार्च 2020 को होली की धूम थी। एक दिन पहले होलिका दहन करने के बाद दूसरे दिन सभी रंगोत्सव मना रहे थे। बच्चे तो सुबह से पिचकारी में पानी और रंग भरकर अपने हमजोली को भिगो रहे थे। युवा और बुजुर्ग गुलाल लगा रहे थे। पूरे गांव में रंगोत्सव की खुशियां बिखरी थी। वहीं गुलाल लगाने को लेकर ऐसा आक्रोश भी पनप रहा था, जिसका वीभत्स रूप दो की जघन्य हत्या के रूप में सामने आया।

डोंगरगांव नगर पंचायत के करियाटोला वार्ड में 10 मार्च 2020 की रात करीब 8 बजे रंग-गुलाल लगाने को लेकर पवन वैष्णव और गांव के ही गणेशराम और कृपाराम के बीच विवाद हो गया। इसके पहले कमलेश के साथ मारपीट, लड़ाई-झगड़ा हुआ था। गांव के गौरा चौक में गुलाल लगाने के बाद उपजा विवाद इतना गहराया कि पवन वैष्णव आ गोवर्धन वैष्णव, शरद वैष्णव आ स्व भुनेश्वर वैष्ण और शुभम वैष्णव आ स्व भुनेश्वर वैष्णव ने धारदार हथियार से कृपाराम और गणेशराम पर हमला कर दिया। धारदार हथियार से किए गए हमले से कृपाराम की पीठ और बदन में चोंटे आई। विवाद के दौरान बीच-बचाव करने आए गणेशराम, कोमल और दीनाबाई पर भी आरोपियों ने हत्या करने की नीयत से पेट व शरीर पर वार किया। घटना के बाद घायल कृपाराम और गणेश राम को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

जुर्म का पुराना रिकॉर्ड

शरद वैष्णव का अपराध से पुराना नाता रहा है। पुलिस घटना के पहले भादवि की धारा 110 के तहत कार्रवाई कर चुकी थी। होली के दिन घटित घटना के बाद पुलिस ने उदयराम गौड की रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 307, 34 भादंवि एससी एसटी एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया। कृपाराम और गणेश राम की मौत होने के बाद धारा 302 जोड़ा गया।

बदरंग हो गई होली

मामूली विवाद के बाद उपजे आक्रोश ने उदयराम गौड के परिवार को रंगों के पर्व के दिन ऐसा जख्म दिया है कि उसकी भरपाई ताउम्र नहीं होने वाली है।जब जब रंगों का पर्व आएगा तब तब परिवार 2020 की घटना को याद कर दर्द में डूब जाएगा।

अब नहीं लगेगी ईवी वाहनों में आग, नई लिथियम बैटरी 150 डिग्री तापमान में भरेगी फर्राटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई सेरमिक बेस्ड लिथियम-आयन बैटरी विकसित करने वाले वैज्ञानिकों का दावा है कि नई विकसित फायर प्रूफ बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन का ज्यादा तापमान झेलने में सक्षम हैं, जिससे आगजनी और विस्फोट की संभावना कम हैं। यह पारंपरिक बैटरी की तुलना में ईवी वाहन को अधिक सुरक्षा प्रदान करती है।

■ बैटरी के लिक्विड इलेक्ट्रोलाइट में रिसाव के कारण आग लगती है

गौरतलब है लिथियम-आयन बैटरी का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों के साथ-साथ स्मार्टफोन, घड़ी और मेडिकल इम्प्लांट जैसे गैजेट्स में बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। चूंकि इन बैटरियों की साइज़ एक हद से ज़्यादा कम करना मुश्किल होता है और इससे जुड़ी सुरक्षा चिंताएं भी बड़ी होती हैं, क्योंकि लिक्विड इलेक्ट्रोलाइट में रिसाव और उसके क्षतिग्रस्त होने पर वाहन में आगजनी का खतरा हमेशा बना रहता है।

यह पारंपरिक बैटरी की तुलना में अधिक सुरक्षा प्रदान करती है

आग नहीं पकड़ती नई सेरेमिक लिथियम-आयन बैटरी

शोधकर्ताओं के मुताबिक नई सेरेमिक लिथियम-आयन बैटरी आग नहीं पकड़ने वाली है और लगातार बाहरी गर्मी के संपर्क में रहने पर भी अपनी संरचनात्मक बनावट को मज़बूत बनाए रखती है। हवा में तापमान सहने की इसकी क्षमता उत्कृट है, जो पॉलीमर या कंपोजिट इलेक्ट्रोलाइट वाली बैटरी से कहीं बेहतर है। उनका मानना है कि बैटरी की यह तकनीक खासकर उच्च तापमान वाले वातावरण में पहनने योग्य सेंसर, आईओटी उपकरणों और एयरोस्पेस इलेक्ट्रॉनिक्स को शक्ति प्रदान करने में भी काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

बैटरी 150 डिग्री सेल्सियस पर भी काम कर सकती है : पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरी के जोखिम को देखते हुए सिंहुआ यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इसे चैलेंज की तरह लिया। उन्होंने तय किया कि एक ऐसी बैटरी विकसित करेंगे, जो साइज में छोटी होने के साथ अधिक एनर्जी डेंसिटी वाली हो और मुश्किल हालात में इस्तेमाल के लिए सुरक्षित हो। उनका दावा है कि विकसित नई सिरेमिक लिथियम-आयन माइक्रो-बैटरी 150 डिग्री सेल्सियम तक के तापमान पर भी काम करने का वादा करती है।

कम टिकाऊ होते हैं पतले वर्जन की बैटरियां

वैज्ञानिकों के मुताबिक इन्हीं कमियों के चलते अग्नि सुरक्षा प्रणाली, इंटरनेट ऑफ थिंग्स सेंसर, अंतरिक्ष उपकरण और सैन्य अनुप्रयोग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पांरपरिक बैटरियां का उपयोग सीमित हो गया है। इसके विपरीत, सॉलिड-स्टेट लिथियम बैटरियां एक ठोस चालक माध्यम का उपयोग करती हैं, जो अधिक सुरक्षा प्रदान करती हैं, लेकिन उनके विकसित पतले वर्जन की बैटरियों के टिकाऊपन में चुनौती आती है।

ज्यादा तापमान में लीक हो जाती है पारंपिक बैटरी

स्टडी में कहा गया है कि नई बैटरी अलग-अलग तापमान रेंज में बिना किसी दबाव के ठीक से काम करती है और छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए सुरक्षित और मज़बूत पावर सॉल्यूशन देने में भी कारगर है। स्टडी के मुताबिक आम बैटरी में इलेक्ट्रिक करंट बनाने के लिए लिथियम आयन लिक्विड इलेक्ट्रोलाइट से होकर गुजरते हैं, लेकिन ज़्यादा तापमान या फिजिकल डैमेज होने पर इलेक्ट्रोलाइट लीक हो सकते है या उसमें आग भी लग सकती है।

चुनौतीपूर्ण कारोबारी परिस्थितियों के कारण उत्पादन की रफ्तार धीमी पड़ी

घरेलू मांग में नरमी से जून में सेवा क्षेत्र की वृद्धि 17 महीने के निचले स्तर पर: पीएमआई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

घरेलू मांग में नरमी के कारण भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जून में घटकर 17 महीने के निचले स्तर पर आ गई। चुनौतीपूर्ण कारोबारी परिस्थितियों और कुछ सेवाओं के लिए ग्राहकों की घटती रुचि के कारण बिक्री एवं उत्पादन की रफ्तार धीमी पड़ी। शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी मिली।

कंपनियों ने बताया कि बाजार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और उनकी सेवाओं में ग्राहकों की कम रुचि के कारण बिक्री प्रभावित हुई। इससे नई भर्तियां लगभग ठप रहीं और कारोबारी भरोसा भी कमजोर हुआ। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जून में घटकर 57.4 पर आ गया, जो मई में 59.8 था। यह पिछले 17 महीनों का सबसे कमजोर विस्तार है।

■ कुछ सेवाओं के लिए ग्राहकों की घटती रुचि के कारण बिक्री घटी

■ भर्तियां लगभग ठप्प रही और कारोबारी भरोसा कमजोर हुआ

■ सेवा क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जून में घटकर 57 .4 पर आ गया

नए ऑर्डर में ढाई साल में सबसे धीमी वृद्धि

सेवा क्षेत्र के उत्पादन में सुस्ती की मुख्य वजह नए ऑर्डर में ढाई साल से अधिक समय की सबसे धीमी वृद्धि रही। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' भारत का सेवा क्षेत्र पीएमआई जून में भी विस्तार के दायरे में रहा, लेकिन घटकर 57.4 पर आ गया जो 17 महीनों का सबसे निचला स्तर है। रफ्तार में यह कमी अधिक चुनौतीपूर्ण कारोबारी परिस्थितियों और विशेष रूप से घरेलू मांग में कमजोरी का संकेत देती है।'' जून में निर्यात हालांकि मजबूत पक्ष में रहा।

कारोबारी भरोसा घटकर पांच माह के निचले स्तर पर

सेवा क्षेत्र की कंपनियों को अगले 12 महीनों में उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन सकारात्मक कारोबारी भरोसा घटकर पांच महीने के निचले स्तर पर आ गया और यह ऐतिहासिक औसत से भी नीचे रहा। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई उत्पादन सूचकांक जून में घटकर 57.1 पर आ गया, जो मई में 59.3 था। यह दर्शाता है कि विनिर्माण तथा सेवा, दोनों क्षेत्रों में कारोबारी गतिविधियों, रोजगार एवं नए ऑर्डर की वृद्धि की रफ्तार धीमी हुई।

मुद्रास्फीति की रफ्तार हल्की रही : कीमतों के मोर्चे पर मुद्रास्फीति की रफ्तार हल्की रही। यह दीर्घकालिक औसत से नीचे रही और नवंबर 2025 के बाद सबसे कम स्तर पर दर्ज की गई।

कई देशों से मांग बढ़ी

कंपनियों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, कनाडा, जर्मनी, मलेशिया, नेपाल, ओमान, कतर, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से मांग बढ़ी, जिससे निर्यात में तीन महीनों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। भंडारी ने कहा, '' बाहरी मांग मजबूत बनी रही और विदेशी बिक्री में वृद्धि तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई।''

रोजगार सृजन की रफ्तार अब तक के सबसे कमजोर स्तर पर

समायोजित पीएमआई सूचकांक, विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र के पीएमआई सूचकांकों के भारित औसत पर आधारित होता है। इसमें दोनों क्षेत्रों का भार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उनकी हिस्सेदारी के अनुसार तय किया जाता है। कुल बिक्री की वृद्धि जून में तीन महीनों के सबसे निचले स्तर पर रही, जबकि रोजगार सृजन की रफ्तार भी 2026 में अब तक के सबसे कमजोर स्तर पर आ गई।

विदेशी ऑर्डर की वृद्धि निचले स्तर पर

इसी दौरान विदेशी ऑर्डर की वृद्धि भी लगभग दो वर्षों के सबसे निचले स्तर पर रही। एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों से प्राप्त जवाबों के आधार पर तैयार करता है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे सत्र में तेजी, सेंसेक्स 262 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में तेजी और अमेरिका के कमजोर रोजगार आंकड़ों से मौद्रिक सख्ती की उम्मीद कम होने के बीच घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार तीसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 262 अंक और निफ्टी में 95 अंक की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 261.79 अंक चढ़कर 77,763.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 655.4 अंक चढ़कर 78,157.52 अंक तक पहुंच गया था। वहीं निफ्टी 95.15 अंक बढ़कर 24,270.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से एचसीएल टेक में सर्वाधिक 5.79 प्रतिशत की तेजी रही जबकि टेक महिंद्रा 1.81 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा भारती एयरटेल, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और आईसीआईसीआई बैंक भी बढ़त में रहे। दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार उतार-चढ़ाव भरे कारोबार और मुनाफावसूली के बावजूद सकारात्मक वैश्विक संकेतों तथा अमेरिकी श्रम बाजार के नरम आंकड़ों के बाद वैश्विक स्तर पर नरम ब्याज दर माहौल की उम्मीद से बढ़त के साथ बंद हुए।''

एशियाई बाजार में रही तेजी- एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी करीब छह प्रतिशत चढ़ गया, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग भी बढ़त के साथ बंद हुए।

एचसीएलटेक को यूरोप की कंपनी से मिला ठेका

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचसीएलटेक को यूरोप मुख्यालय वाली 'फॉर्च्यून ग्लोबल 50' सूची की एक कंपनी से उसके डिजिटल कार्यस्थल एवं उद्यम नेटवर्क के रूपांतरण तथा प्रबंधन के लिए 1.14 अरब अमेरिकी डॉलर का ठेका मिला है। एचसीएलटेक ने उस कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है। शेयर बाजार को शुक्रवार को दी सूचना के अनुसार, इस साझेदारी के तहत एचसीएलटेक उस कंपनी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित परिचालन मॉडल स्थापित करेगी।

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKASPRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar- 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512000; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement RFP Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites Request for Proposal for following works:

RFP No: 26/TPS/EEC5/CE/NRANVP/2026-27, Nava Raipur Atal Nagar Dist. Raipur, Dated: 01.07.2026

Name of Work: "Selection of Developer for Development of Infrastructure of the Town Development Scheme (TDS) in Layer-II of Nava Raipur Atal Nagar in Lieu of Development Rights/Selling Rights of Mixed-Use Land"(2nd Call)

Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 22.07.2026

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

S. 48351

Chief Engineer
NRANVP

खबर संक्षेप

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में कथित डेटा सेंध की जांच जारी

नई दिल्ली। सरकार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में कथित डेटा सेंध की जांच कर रही है। साथ ही इस घटना की सूचना भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल को भी दे दी गई है। इस कथित साइबर हमले में एप्पल के अभी तक जारी नहीं किए गए आईफोन 18 प्रो मॉडल से जुड़ी संवेदनशील जानकारी के उजागर होने की खबर है।

पीएनबी का पहली तिमाही का ऋण 13 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक और बैंक आफ इंडिया ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कुल ऋण में क्रमशः 13 प्रतिशत और 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। पीएनबी ने एक नियामकीय सूचना में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका ऋण 11.29 लाख करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 12.75 लाख करोड़ रुपये हो गया। साथ ही, अप्रैल-जून तिमाही में कुल जमा नौ प्रतिशत बढ़कर 17.24 लाख करोड़ रुपये हो गई।

विदेशी मुद्रा बाजार में 5.65 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 जून को समाप्त सप्ताह में 5.65 अरब डॉलर घटकर 666.93 अरब डॉलर रह गया। इसके एक सप्ताह पहले विदेशी मुद्रा भंडार 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.58 अरब डॉलर हो गया था। पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने से पहले 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रुपये पर दबाव बढ़ने और आरबीआई द्वारा डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किए जाने के कारण इसमें लगातार कई हफ्तों तक गिरावट दर्ज की गई।

एल्युमीनियम उत्पादों पर मूल सीमा शुल्क बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने सरकार से एल्युमीनियम उत्पादों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) बढ़ाने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि सस्ते आयात और वैश्विक संरक्षणवाद के बढ़ते दबाव से घरेलू निवेश तथा सरकारी राजस्व पर गंभीर असर पड़ सकता है। एएआई ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को लिखे पत्र में कहा कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग फिलहाल एक तरफ आयात में तेजी से वृद्धि और दूसरी तरफ निर्यात बाजारों तक पहुंच में कमी जैसी दो समस्याओं से एक साथ जूझ रहा है। संगठन ने आयात में आई तेज़ी को रोकने के लिए बीडीसी बढ़ाने समेत कई ज़रूरी कदम उठाने की मांग की है।

कार्यालय संचालक
मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग
(इन्द्रावती भवन, विभागाध्यक्ष कार्यालय, ब्लाक नं. । द्वितीय तल, नवा रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर छ.ग.)
E-Mail - govtprintingstationerydept@gmail.com

नवा रायपुर अटल नगर-492002
दूरभाष : कार्यालय 2331302

क्रमांकESTB-101/61/2025-GOVT. PRINTING AND STATIONARY SECTION/274 दिनांक 02.07.2026

// दस्तावेज सत्यापन हेतु सूचना पत्र //
डी.टी.पी. ऑपरेटर

मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग डी.टी.पी. ऑपरेटर के पदों पर दिनांक 21.06.2026 को आयोजित कौशल परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के शैक्षणिक दस्तावेजों/अनुभव/जाति/निवास/आय/जन्मतिथि/पहचान पत्र/अन्य प्रमाण पत्रों का सत्यापन निम्न तालिका अनुसार किया जाना है:-

स.क्र.	पद का नाम	निर्धारित दिनांक एवं समय
1	डी.टी.पी. ऑपरेटर	दिनांक 10.07.2026 प्रात: 10:30 बजे से

कौशल परीक्षा का परिणाम एवं दस्तावेज सत्यापन हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची इस विभाग के सूचना पटल पर प्रदर्शित की गई है। दस्तावेज सत्यापन संबंधी विस्तृत जानकारी अभ्यर्थियों के अधिकृत पते पर पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित की गई है।

(संचालक महो. द्वारा अनुमोदित)

संयुक्त संचालक
मुद्रण तथा लेखन समाग्री
छ.ग. नवा रायपुर अटल नगर

जी. 262701880/2

छत्तीसगढ़ शासन,
वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
दुर्ग वनमंडल, दुर्ग
आज़ादी का अमृत महोत्सव

शासकीय आवास रिक्त करने के संबंध में सूचना

सुश्री मीना गंवारे, से.नि. सहायक ग्रेड-02 को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आप दिनांक 30.04.2022 को अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो चुकी है। दुर्ग वनमंडल, दुर्ग के द्वारा आबंटित शासकीय आवास क्रमांक Forest-1-5 आपके द्वारा आज दिनांक तक रिक्त नहीं किया गया है। समाचार पत्र के प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर शासकीय आवास गृह रिक्त कर दें, अन्यथा शासकीय आवास गृह रिक्त कराने के लिए वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी।

वनमंडलाधिकारी
दुर्ग वनमंडल, दुर्ग (छ.ग.)

जी.262701869/3

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग
पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, जिला-रायपुर (छ.ग.)
दुरभाष नम्बर / फैक्स नम्बर-0771-2284044 ई.मेल-dwcdraipur@gmail.com

क्र./2501/मबावि/स्था./2026-27 **विज्ञापन** रायपुर, दिनांक 04/07/2026

मिशन शक्ति अंतर्गत महिला सशक्तिकरण केन्द्र (Hub for Empowerment of Women) के संचालन हेतु रिक्त पद में नियुक्ति हेतु विज्ञापन

भारत सरकार ने एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण हेतु एक अम्ब्रेला योजना "मिशन शक्ति" की शुरूआत की है। मिशन शक्ति के अंतर्गत आने वाली सभी योजनाओं का कियान्वयन एवं संचालन हेतु जिला स्तर पर जिला स्तरीय महिला सशक्तिरण केंद्र स्थापित है। जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केंद्र हब (DHEW) हेतु जिले में 01 स्वीकृत पद की पूर्ति हेतु स्वीकृत प्राप्त है। रिक्त पद की पूर्ति हेतु आवेदन 02/07/026 से दिनांक 16/07/026 तक कार्यालयीन समय 05:30 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

रिक्त पद का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	पदनाम	स्वीकृत पदों की संख्या			वेतन मैट्रिक्स लेवल	निर्धारित एकमुश्त/संविदा मासिक वेतन	चयन प्रकिया
		UR	ST	योग			
1	आई टी असिस्टेंट	01	00	01	7	20900	
	कुल योग	01	00	01			मेरिट आधार

उपरोक्त विज्ञापन की विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला कार्यकम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, जिला-रायपुर (छ.ग.) के सूचना पटल पर एवं जिले की वेबसाईट https://raipur.gov.in पर अवलोकन किया जा सकता है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास जिला-रायपुर (छ.ग.)

जी-262701884/2

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(मानव संसाधन प्रभाग -II)
(Human Resources Division -II)
मुख्यालय, गेट संख्या-10 (पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, लोधी रोड, नई दिल्ली 110003

फ़ाइल संख्या: 01-04001(03)/7/2026-66 दिनांक: 10-06-2026

भारतीय खेल प्राधिकरण प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यकारी निदेशक (वित्त) के पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित करता है

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी निकाय, प्रतिनियुक्ति के आधार पर 03 वर्ष की अवधि के लिए वेतन मैट्रिक्स स्तर-13A में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के 1 पद को भरने हेतु पात्र अधिकारियों से आवेदन आमंत्रित करता है। पात्र अधिकारी निर्धारित प्रपत्र में आवेदन, आवश्यक दस्तावेजों सहित, निदेशक (मानव संसाधन प्रभाग-II), भारतीय खेल प्राधिकरण, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 के कार्यालय में प्रेषित कर सकते हैं।

आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 10.07.2026 (सायं 5:00 बजे तक) है।

विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मानदंड, आवेदन प्रपत्र तथा अन्य निर्देश भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट www.sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

cbc 47103/11/0016/2627

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, नवा रायपुर

"केविएट - सूचना"
क्रमांक LAW-42028/277/2025-CGPSC LAW SECTION-Part (1)
नवा रायपुर, दिनांक / /2026

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के विज्ञापन क्रमांक 03/2026/परीक्षा/दिनांक 17.06.2026 रोजगार नियोजन में प्रकाशन की तिथि 24.06.2026 के द्वारा छ.ग. शासन, गृह विभाग के अंतर्गत सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी के कुल 15 पद विज्ञापित किए गए हैं।

2/उक्त विज्ञापन के अंतर्गत विज्ञापित पद हेतु चयन प्रक्रिया प्रारंभ किया जाना है। अभ्यर्थियों द्वारा किसी भी कारण को आधार बनाते हुए आयोग के उक्त परीक्षा के आयोजन, परीक्षा परिणाम एवं अंतिम चयन सूची परिणाम की कार्यवाही को निरस्त करने/ स्थगित करने अथवा किसी भी प्रकार के अनुतोष को प्राप्त करने के लिए कोई भी रिट याचिका अथवा कार्यवाही माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाती है, तो ऐसी याचिका में उपरोक्त किसी भी प्रकार के अनुतोष को प्रदान किए जाने के पूर्व आयोग को सुनवाई का अवसर प्रदान किए जाने हेतु आयोग की ओर से एक केविएट आवेदन पत्र आयोग के प्राधिकृत अधिवक्ता डॉ. सुदीप अग्रवाल (मो0नं0-**98267-23750**, ईमेल - **sudeep_korba@rediffmail.com**) के माध्यम से माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष एक केविएट आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है, जिस हेतु यह सूचना-पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है।

सचिव
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग,
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

जी. 262701859/2

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)
क.रा.बी.नि. E.S.I.C.

क.रा.बी.नि अस्पताल, डिंगापुर कोरबा (छ.ग)- 495677
E.S.I.C Hospital Dingapur, Korba (C.G)-495677
Email: ms-korba.cg@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in

APPLICATIONS ARE INVITED FOR APPOINTMENT TO THE FOLLOWING POSTS ON CONTRACTUAL FULL TIME BASIS:-

18 vacant posts of Contractual Full Time Senior Resident at ESIC Hospital, Korba, CG:-

S. No.	Department	Posts Sanctioned	Vacancy					Total Vacancy
			UR	OBC (NCL)	SC	ST	EWS	
1	Anesthesiology	2	2					2
2	Pathology	1	1					1
3	Chest Medicine	1		1				1
4	Dermatology	1	1					1
5	ENT	1	1					1
6	Ophthalmology	1			1			1
7	General Medicine	2	1	1				2
8	OBG and Gynae	2	1				1	2
9	Orthopaedics	2	1	1				2
10	Pediatrics	2			1	1		2
11	Radiology	1		1				1
12	Surgery	2	2					2
	TOTAL	18	10	4	2	1	1	18

(UR: UNRESERVED, OBC-NCL: OTHER BACKWARD CLASS NON CREAMY LAYER, SC- SCHEDULED CASTE, EWS- ECONOMICALLY WEAKER SECTIONS)

Applicants are required to submit duly filled application form via email to ms-korba.cg@esic.gov.in or the hard copies at Office of MS ESICH Korba till 03:30PM on 13.07.2026.

VENUE of interview - ESIC Hospital, Korba,CG
DATE & TIME of interview - 17.07.2026 from 09:00 AM to 04:00 PM
Reporting time - 09:00 AM to 11:00 AM

Eligibility criteria (age, educational qualification, experience etc.) and other details are available under detailed advertisements are available in recruitment section on ESIC website www.esic.gov.in

PLACE – KORBA

MEDICAL SUPERINTENDENT
ESIC HOSPITAL,KORBA(C.G.)

प्रथम पृष्ठ का शेष

मारे गए दो टाइगर, कंकाल से मैच कर रही...

के कंकाल का पूर्व में जब्त दो बाघ की खाल में से मिलान हो गया है, लेकिन दूसरे कंकाल का एक अन्य खाल से मिलान नहीं हो रहा है यानी तय है कि इंद्रावती में दो नहीं, ज्यादा बाघों का शिकार हुआ है। हरिभूमि ने दो जुलाई के अंक में चार बाघों का शिकार होने की खबर प्रमुखता के साथ प्रकाशित की थी। एक खाल का कंकाल से मिलान नहीं होने से साफ तौर पर पुष्टि हो रही है कि इंद्रावती टाइगर रिजर्व तथा उसके आसपास के वनक्षेत्र में शिकारियों ने चार बाघों का शिकार किया था। बाघों के शिकार तथा तस्करी के प्रकरण में किन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनके नामों का वन अफसरों ने अब तक किसी प्रकार से कोई खुलासा नहीं किया है। अफसर पूछताछ करने के बाद तस्कर तथा शिकारियों के नामों का खुलासा करेंगे। शिकार तथा तस्करी के मामले में कुछ और लोगों को गिरफ्तार किया जाना बाकी है।

शिकार करने के बाद महाराष्ट्र ...

के अंगों तथा खाल का सौदा कर बेच देते हैं। इसके बाद महाराष्ट्र के तस्कर उन वन्यजीवों के अंगों तथा खालों की बिक्री करने चोरी छिपे भानुप्रतापपुर लाते हैं और देश के अन्य राज्यों के तस्करों से संपर्क कर उनकी बिक्री करते हैं।

33 लोगों से 3 घंटे पूछताछ, जमीन खरीद से ...

ली। एसआईटी ने दान में मिले आभूषणों को गलाने की पूरी प्रक्रिया को भी विस्तार से समझा। जांच टीम ने इस प्रक्रिया से जुड़े सभी पहलुओं की जानकारी जुटाई ताकि रिकॉर्ड और वास्तविक प्रक्रिया का मिलान किया जा सके. मामले में कुछ सुरक्षा कर्मियों से भी पूछताछ की गई। इसके अलावा बैंक कर्मियों से भी जानकारी लेकर भुगतान और वित्तीय प्रक्रिया से जुड़े तथ्यों को समझने का प्रयास किया गया।

पीएम मोदी से आधी रात हुई बात जेल जा ...

बात की और पूछा कि क्या होगा। कटियार ने अनिल मिश्रा और विनोद राव को भी पूरी तरह दोषी बताया और चंपत राय के साथ ही इन दोनों के भी जेल जाने की आशंका जताई। चंपत राय, अनिल मिश्रा और विनोद राव का नाम लेते हुए उन्होंने कहा, कहा कि अभी किसी कारण से यह लोग बच गए हैं। आगे इन्हें भी जेल जाना पड़ सकता है। यह साफ हो चुका है कि गबन हुआः कटियार ने कहा कि राम मंदिर के लिए हम लोगों ने बलिदान दिया है।

होसबाले बोले- 'दोषियों को मिले ...

जो भी दोषी पाए जाएंगे उन्हें कठोर दंड हो यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित संपूर्ण हिंदू समाज की न्यास से स्वाभाविक ही अपेक्षा है कि इस घोर निंदनीय घटना को असाधारण मान कर गंभीरता से व्यवस्था और संचालन की सभी कमियों को दूर करने हेतु परिणामकारक कदम उठाए ताकि अयोध्या मंदिर पर करोड़ों रामभक्तों की आस्था-श्रद्धा अखंड और अटूट बनी रहे।'

सर्पदंश से सगे भाइयों की मौत...

रोने से तथा कुछ काट लेने पर खाट से दूर हो गया था। परिजन दोनों मासूम को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरे ने कुछ घंटे बाद आईसीयू में दम तोड़ दिया।

साय कैबिनेट का...

कहा कि बदलते समय की चुनौतियों और अवसरों के अनुरूप शासन को भी निरंतर सीखना, स्वयं का मूल्यांकन करना और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। इसी सोच के अनुरूप आयोजित यह चिंतन शिविर मंत्रिमंडल और विभिन्न क्षेत्रों के राष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच संवाद, अनुभव-साझाकरण तथा नीति-निर्माण का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।मुख्यमंत्री ने कहा है कि सुशासन केवल योजनाएँ बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समय की मांग के अनुरूप स्वयं को निरंतर बेहतर बनाते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना भी है। चिंतन शिविर इसी सतत सुधार की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसी कार्यसंस्कृति विकसित करना है जो पारदर्शी, उत्तरदायी, संवेदनशील और परिणाम आधारित हो तथा जिसका प्रत्यक्ष लाभ प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे।

राष्ट्रीय स्तर के ...

भविष्य की शासन व्यवस्था में उनकी भूमिका पर अपने विचार रखेंगे। डॉ. रमेश चंद कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और भविष्य की कृषि रणनीतियों पर विशेष व्याख्यान देंगे। द्वितीय दिवस की शुरुआत योग सत्र से होगी। इसके पश्चात सुमन बिल्ला पर्यटन एवं सेवा क्षेत्र की संभावनाओं, शशांक मणि त्रिपाठी सार्वजनिक नीति एवं विकास, ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग उत्कृष्टता, नेतृत्व और प्रदर्शन की संस्कृति तथा डॉ. विनय सहस्रबुद्धे सुशासन, नेतृत्व और जनकेंद्रित प्रशासन पर अपने विचार साझा करेंगे।

इन विषयों पर ...

समन्वय और जनहितकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए भावी रणनीति तैयार की जाएगी।

भाषा संबंधित विषयों ...

तीसरी भाषा के 100 अंकों के मूल्यांकन में 40 अंक सुनने और बोलने के कौशल, 15 अंक रचनात्मक लेखन, 30 अंक भाषा अधिगम संसाधनों पर आधारित पढ़ने-लिखने के मूल्यांकन तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए निर्धारित किए गए हैं। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की उस अवधारणा के अनुरूप माना जा रहा है, जिसमें भाषा सीखने को केवल परीक्षा तक सीमित न रखकर उसे व्यवहारिक कौशल के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया है।

वेबसाइट पर उपलब्ध...

जाएंगे, ताकि विद्यार्थी भाषा को अपने परिवेश से जोड़कर सीख सकें। सीबीएसई के मुताबिक, भाषा के लर्निंग रिसोर्स एनसीईआरटी की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं और सभी संबद्ध स्कूलों से इन्हें कक्षा शिक्षण में शामिल करने को कहा गया है।

कक्षा गतिविधियों ...

व्यक्तिगत अनुभव साझा करना, घोषणाएं सुनकर उत्तर देना और वाद-विवाद जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। शिक्षकों को छात्रों की रुचि के अनुसार गतिविधियां चुनने की भी छूट दी गई है। यानी तीसरी भाषा की पढ़ाई अब केवल किताब और उत्तर पुस्तिका तक सीमित नहीं रहेगी।

कई राज्यों में ...

में पानी घुसा। आईएमडी ने गुजरात, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर में भी बारिश, तेज हवाओं और गरज-चमक की चेतावनी दी गई है। आईएमडी के अनुसार अगले कुछ दिनों तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम और पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ, झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में अलग-अलग तीव्रता की बारिश हो सकती है।

कवर्धा के पहाड़ी...

जोखिम में डालकर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। बता दें कि बीते 24 घँटों में इस इलाके में दो सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हुई है। हालांकि बारिश के आंकड़े ज्यादा नहीं हैं, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों में इसी तरह की बारिश में नाले उफन जाते हैं। हर मानसून में यहां ऐसे हालात बनते हैं, लेकिन अब तक स्थायी पुल का निर्माण नहीं होने से लोगों की जान पर खतरा बना हुआ है।

खेत में झटका तार से करंट...

पुलिस के अनुसार बीरनपुर कला निवासी गोकरण पटेल (55 वर्ष) सुबह अपने पुत्र परमेश पटेल (22 वर्ष) के साथ खेत में बुआई करने पहुंचे थे। खेत की मेड़ पर जंगली जानवरों से फसल को बचाने के लिए विद्युत झटका तार लगाया गया था। लगातार बारिश के कारण खेत में पानी भर जाने से करंट का खतरा और अधिक बढ़ गया था। बताया जाता है कि कार्य के दौरान परमेश का संपर्क झटका तार से हो गया और वह करंट की चपेट में आकर तड़पने लगा। बेटे को बचाने के प्रयास में पिता गोकरण पटेल ने जैसे ही उसे पकड़ने की कोशिश की, वे भी करंट की चपेट में आ गए। कुछ ही क्षणों में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। काफी देर तक दोनों के घर नहीं लौटने पर गोकरण पटेल की पत्नी भोजन लेकर खेत पहुंचीं। वहां पति और बेटे को जमीन पर अचेत पड़ा देखकर उन्होंने शोर मचाया। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बिजली का प्रवाह बंद कराया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

जंगली जानवरों से फसल को बचाने लगाते हैं तार

सूचना मिलने पर सहसपुर लोहारा पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस यह जांच कर रही है कि खेत में लगाया गया विद्युत झटका तार किस प्रकार और किस स्रोत से संचालित किया जा रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए कई किसान अवैध रूप से करंट प्रवाहित तारों का उपयोग कर रहे हैं। पूर्व में भी ऐसे हादसों में ग्रामीणों, मवेशियों और वन्यजीवों की जान जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से यह खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

आकाशीय बिजली की ...

परिजनों ने पूछताछ की। इस दौरान रात्रि के समय उन्हें इस घटना की जानकारी मिली। परिजनों की सूचना पर डभरा पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके पश्चात दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया।

कार्यालय नगर पंचायत बगीचा, जिला-जशपुर (छ.ग.)

Email- cmobagicha@gmail.com

क्रमांक/685/लो.नि.वि./न.पं./ 2026-27 — बगीचा, दिनांक 03/07/2026

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना :-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र	कार्य का विवरण	प्राक्कलन राशि (लाखों में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	194775	Development Of Muktidham Ward no. 06 Nagar Panchayat Bagicha (Building S.O.R. 01-01-2015)	24.705	27/07/2026

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा प्रपत्र, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योमेंट वेब पोर्टल https://cgeproc.cgstate.gov.in व नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड कर अवलोकन एवं कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत बगीचा जिला-जशपुर (छ.ग.)

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS शिव साईटिका तेल
शिव साईटिका
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुटमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हॉलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में लड़कों, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संध्या ज्वेलरी एण्ड कॉस्मेटिक श्रीराम क्लॉथ मार्केट, अग्रसेन चौक बिलासपुर (प्रातः 11बजे के पहले फोन ना करें) 96910 83080, 7987423847 (41326)

आवश्यकता है- बालमुकुन्द उच्च. माध्य. विद्यालय भारतीय नगर चौक तालापारा बिलासपुर में निम्न पदों की आवश्यकता है चपरासी- 1पद (वेतन 4अंको में) शिक्षक- कला संकाय (अंग्रेजी माध्यम) 1पद, वाणिज्य संकाय (अंग्रेजी माध्यम) 1पद, रसायन शास्त्र (अंग्रेजी माध्यम) 1पद हिन्दी व्याख्याता 1पद, अंग्रेजी सहायक शिक्षक TGT प्राथमिक, विज्ञान हेतु बीएड, टेट उत्तीर्ण उम्मीदवार को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9329875378 (41325)

आवश्यकता है- निष्कर्ष पैथोलॉजी क्लीनिक में पैथोलॉजी लैब टेक्नीशियन की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- दोपहर 1बजे से 7बजे, प्रथम तल, डॉ. अग्रवाल डिजिटल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेन्टर, जूनीलाइन, बिलासपुर 7869911027 (41329)

आवश्यकता है- बिलासपुर में 67 वर्षीय बेड रिडन महिला (स्ट्रोक मरीज) की 24घंटे देखभाल हेतु अनुभवी महिला केयर गिवर/ नर्स चाहिए। (कार्य- मरीज की देखभाल, दवा देना, भोजन कराना आदि) सम्पर्क- 9827495381 (41319)

आवश्यकता है- बाइक ऑटो पाट्र्स (एक्सेसरीज) दुकान में काम करने हेतु सेल्समैन, हेल्पर और सॉफ्टवेयर ऑपरेटर (बीजी) चाहिए। नोट- वेतन अनुभव एवं योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7869523344, 7301717175 (41328)

Siddhi Softwares
आवश्यकता है
(1) PHP Laravel Developer- 02 Post
(2) Computer/ CCTV Hardware Engineer- 02 Post
-योग्यता- संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा, स्नातक, समकक्ष योग्यता एवं अनुभव
Contact- 6265197680 6260537847

आवश्यकता है- थोक कपड़ा रेडीमेड दुकान में कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- श्री साई होजियरी, गली नं.-5 कश्यप कॉलोनी, बिलासपुर 9111111377 (41316)

आवश्यकता है- बिलासपुर एवं मस्तूरी स्थित ऑफिस में कार्य करने हेतु अनुभवी अकाउंटेंट की आवश्यकता है। जिसे टैली एवं एक्सेल की जानकारी हो। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9425549722 (0160)

आवश्यकता है- बच्ची को संभालने हेतु शिक्षित महिला या लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- फ्लैट नं.-304, सी-ब्लॉक सांई परिसर रामा मैग्नेटो मॉल के पास 7389640567 (41322)

आवश्यकता है- बच्चे के साथ रहने के लिए महिला की आवश्यकता है समय दोपहर 12बजे से 8.30 बजे तक सम्पर्क 9425899221 स्थान इन्दु चौक के पास बिलासपुर (41321)

Requirment- Manager Qualification Roles And Responsibilities- Genral Administration Statutory Compliances Legal Matters Salary Will be Commensurate With Qualification And Experience Intersted Candidate may send Resume Mo.- 8283848502 (41317)

आवश्यकता है- टायर शोरूम में कार्य हेतु सेल्समैन 4पद (वेतन योग्यतानुसार 15000- 20000) एवं हेल्पर कार्य हेतु मेहनती लड़कों की (वेतन 10000-12000) सम्पर्क- (1) टायर सेन्टर विनायक नेत्रालय के बाजू अग्रसेन चौक बिलासपुर (2) टायर सेन्टर, महिन्द्रा शोरूम के पास सिरगिट्टी (41309)

आवश्यकता है- BUSY Software Operator (Transport Billing) प्रतिष्ठित ट्रांसपोर्ट फर्म को BUSY Software Operator की आवश्यकता है। योग्यता- BUSY Software पर Billing / Accounting का अनुभव Transport Billing, Challan, Invoice, LR का ज्ञान MS Excel एवं Computer का सामान्य ज्ञान, ट्रांसपोर्ट लाइन का अनुभव वांछनीय वेतन- अनुभव अनुसार आकर्षक। सम्पर्क करें- 93014 89299 (41315)

आवश्यकता है- प्लाईवुड दुकान में अकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे Busy Software आता हो। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- आहूजा ट्रेडर्स, सरकंडा बिलासपुर 70004 84949, 6267343749 (41318)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी एवं पैकर कार्य करने हेतु लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, होटल अजीत के पीछे मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (41313)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (लड़की) वेतन योग्यता अनुसार, रावतपुरा मेडिकल कॉलेज रायपुर में सुपरवाइजर सुरक्षा गार्ड वेतन 10000 से 18000 रहना फ्री। सम्पर्क करें- एक्समैन सिक्योरिटी सर्विस हेमू नगर बिलासपुर 98271 52819, 8349974442, 9754713125 (41237)

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 (समय सुबह 10बजे से शाम 8बजे) सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, राजीव प्लाजा के पास, बिलासपुर 97704 10332 (41324)

आवश्यकता है- मेडिकल सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़कियों (योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट) एवं साफ सफाई हेतु लड़कियों की आवश्यकता है (कार्य समय- 10घंटे), पता- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (5396)

आवश्यकता है- श्री गुरुतेग बहादुर उ.मा. शाला 27खोली विकास नगर में अंग्रेजी पढ़ाने हेतु शिक्षक एवं आफिस कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रातः 8 से 1बजे तक 9827405850, 9039768650 (41306)

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 94255 30470, 9826598526 (41308)

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में कार्य करने हेतु लड़की, लड़को एवं ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-के. एस. एजेन्सीज मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर (41312)

आवश्यकता है- तेलीपारा मेडिकल कॉम्प्लेक्स बिलासपुर में दवाई दुकान में कार्य करने हेतु डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-7974882279 (5119)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- महामाया बैग हाउस शॉप नम्बर बी-4 वृन्दावन परिसर तेलीपारा बिलासपुर (41310)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें-गुप्ता अम्ब्रेला (छाता दुकान) हनुमान मन्दिर खोवा मण्डी के पास, जगदीश होटल के सामने, गोल बाजार बिलासपुर (41301)

आवश्यकता है- 60वर्षीय महिला वकील की शाम 5बजे से सुबह 7बजे तक देखभाल हेतु 35-40वर्ष की महिला चाहिए विधवा, परित्यक्ता को प्राथमिकता वेतन 6000/- सम्पर्क- सोनगंगा कॉलोनी सीपत रोड बिलासपुर 78697 59897, 9893968977 (41296)

आवश्यकता है- तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन- 11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 91110 00881, 8889823100 (41295)

आवश्यकता है- बॉयज हॉस्टल में चौकीदार एवं पुस्तक दुकान में कार्य हेतु अविवाहित युवक चाहिए सम्पर्क करें- देवांगन बुक स्टाल E-15 सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स, मारुति कार शोरूम, शिव टॉकीज रोड, बिलासपुर 6262227355 (41283)

आवश्यकता है- शीघ्र भर्ती हाउस कीपिंग स्टाफ 50 (M/F), केयर टेकर- 25 (खाना बनाना आना चाहिए) ऑफिस बॉय 10 शॉप कर्मचारी- 25 ड्राइवर-5 कंप्यूटर ऑपरेटर 30 पता- D.K. & Son's नियर सत्संग विहार शंकर नगर बिलासपुर 9368425184, 9651120491 (41294)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस+ प्रमोशन+ रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 महीना कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 87705 08791, 8982834337 (529)

आवश्यकता है- हायर सेकेण्डरी कक्षा हेतु रसायन जीव विज्ञान पढ़ाने हेतु शिक्षक की आवश्यकता है। व्हाट्स एप 9827192066 में जानकारी भेजें। सम्पर्क करें- सरदार सन्तोष सिंह मेमोरियल स्कूल सिरगिट्टी बिलासपुर (41291)

आवश्यकता है- दुकान एवं घरेलू कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- सुबह 11 से 2बजे एवं शाम 5 से 9बजे गगन फ्लेक्स 27खोली चौक बिलासपुर 9039768650 (41293)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में डाटा स्पेक कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करे- छत्तीसगढ़ साइंटिफिक, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार, बिलासपुर 9329124924 (41292)

आवश्यकता है- यदुनन्दन नगर तिफरा में महिला ट्यूटर की आवश्यकता है जो घर पर आकर दो घंटे क्लास 3 के बच्चे को पढ़ा सके। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार 97533 11111 (612)

आवश्यकता है- संजय बैग हाउस एसी शोरूम में सेल्स के लिए लड़के, लड़कियों एवं कम्प्यूटर आपरेटर ब्वॉयेज, गर्ल्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9827114449 (41305)

आवश्यकता है- गिफ्ट शोरूम में काम करने के लिए लड़को, लड़कियों तथा जिसे कार्टून पैकिंग का अनुभव हो एवं रिक्शा चालक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रणभ तोलानी 7711006641 (41257)

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 72258 88800 (095)

आवश्यकता है- फर्निशिंग शोरूम में काउंटर सेल्स कार्य हेतु 15 लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। गाड़ी चलाना आता हो, 12वीं पास हो। सम्पर्क करें- अर्बन लिविंग मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8109090000, 83193 97645 (41304)

आवश्यकता है- UTN Shop में सर्वे कार्य हेतु लड़के, लड़कियों चाहिए सैलरी 10000 से 15000, रिसेप्शनिस्ट 1पद, वेतन 6000 पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (41302)

आवश्यकता है- जिला स्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद फॉरेस्ट गार्ड क्लर्क वन पाल, चपरासी हेतु 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा 18 से 42 सैलरी- 26500 से 45500 आवेदन हेतु-मार्क सीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्स एप/ कॉल करे-84004 06891 (102)

बेचना

बेचना है- श्रीं अम्बा टावर्स फेस 1 में 2BHK फ्लैट, 4th फ्लोर लिफ्ट सुविधा उपलब्ध। बेचना है, अथवा किराये (सरकारी कर्मचारी कोप्राथमिकता) से देना हैं, L-2 विद्या नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 7415651736 (41327)

बेचना है- रायपुर रोड छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के सामने एयरपोर्ट रोड पर 50×200= 10000 वर्गफिट व्यावसायिक डायवर्टेड बाऊन्ड्रीवाल किया हुआ प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9340685602 (41330)

बेचना है- 10×14 की दुकान छत नहीं नरेश बाजार के अन्दर मां शारदा कॉम्प्लेक्स तेलीपारा, 10×14 दुकान मेन रोड पर (दीदी गारमेन्ट) गुरुनानक चश्मा के पास सदर बाजार में सम्पर्क- 9827938236, 87709 63388 (41298)

बेचना है- समृद्धि विहार कालोनी (सेन्दरी) कोनी में नवनिर्मित 2BHK मकान बेचना है सम्पर्क करें- 8965074333, 70007 65996 (41261)

बेचना है- बिलासपुर में आकाश मार्ग, शुभम विहार उस्लापुर में सर्वसुविधायुक्त 1280 वर्गफीट में निर्मित 4BHK डुप्लेक्स मकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 7697590551 (41323)

किराया

किराया- बिलासपुर में उस्लापुर के पास मेन रोड के किनारे सागर होम्स कालोनी फेस-II में मकान नम्बर ए-94 के प्रथम तल पर 2BHK. परिवार वाले या छात्राओं को प्राथमिकता। सम्पर्क- 9993283308 (41314)

किराया- मगरपारा रोड VP हुंडई शोरूम के बाजू गली संस्कृति विहार में प्रथम तल पर 2BHK सर्वसुविधायुक्त मकान किराए से देना है। केवल शासकीय कर्मचारी ही सम्पर्क करें- 8965074333 7000765996 (41262)

किराया- 2BHK स्वतन्त्र मकान पोर्च सहित किराए पर देना है किराया 7500/- पता- काली मन्दिर के सामने, मन्नाडोल तिफरा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9098468103, 9770128995 (41307)

फाइनेन्स

लोन- Sai Kripa Financial Service पर्सनल लोन, मॉर्गेज लोन, बिजनेस लोन,लोन ट्रांसफर (BT),होम लोन, केसीसी लोन, पट्टे पर लोन, कार एवं हेवी व्हीकल लोन, बिना बैंक के चक्कर लगायें लोन प्राप्त करें पता- शॉप नं.- 231 आकाशंगगा, ढिल्लन कॉम्पलेक्स सुपेला भिलाई मो.-नुरज सिंह राजपुत 7587287565, 91650 58207, 83139119645 (307)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

गोलपोस्ट के 'सुपरमैन' साइमन, विश्व कप में 519 मिनट तक नहीं टूटा किला

36 साल बाद टूटा विश्व कप का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड

स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन ने विश्व कप फुटबॉल के इतिहास में सबसे लंबे समय तक गोल न खाने का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-0 की जीत में मौजूदा विश्व कप में लगातार चौथी बार क्लीन शीट (एक भी गोल नहीं खाना) हासिल की। साइमन के इस रिकॉर्ड की शुरुआत पिछले विश्व कप से हुई थी और उन्होंने अभी तक विश्व फुटबॉल के सर्वोच्च मंच पर 519 मिनट तक कोई गोल नहीं होने दिया है। इस तरह से उन्होंने इटली के मशहूर गोलकीपर वाल्टर जेंगा का 1990 में बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने तब लगातार 517 मिनट तक कोई गोल नहीं होने दिया और पांच मैचों में लगातार क्लीन शीट रखीं थी।साइमन को मौजूदा विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर में शामिल नहीं किया गया लेकिन इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से विश्व कप की रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कर दिया। स्पेन ने इस विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है, और उसके गोलकीपर को केवल चार बचाव करने पड़े हैं। ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं, जिसने अपने पांचों शॉट लक्ष्य पर नहीं मारे।

साइमन का शानदार प्रदर्शन

साइमन और स्पेन ने 2022 में कतर में खेले गए विश्व कप में चार मैचों में सिर्फ तीन गोल खाए, फिर भी उन्हें टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होना पड़ा था। साइमन का गोल न खाने की यह सिलसिला स्पेन की जापान से 2-1 की हार के दौरान शुरू हुआ और मोरक्को के साथ गोलरहित ड्रॉ तक जारी रहा। मोरक्को ने तब पेनल्टी शूटआउट में साइमन के खिलाफ अपने चार पेनल्टी में से तीन को गोल में बदलकर स्पेन को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

कोच की पहली पसंद : स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, 'मुझे उस पर गर्व है। मुझे लगता है कि वह मेरे परिवार का सदस्य है।

पुर्तगाल और क्रोएशिया के मैच में विवाद, फैंस ने फेंकी बोतलें

हार के बाद छलके क्रोएशियाई खिलाड़ियों के आंसू

टोरंटो। गोनकालो रामोस ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में राफेल लीओ के पास पर हेडर से गोल किया, जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी किक को गोल में बदला, जिससे पुर्तगाल ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्रोएशिया को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया। अंतिम सीटी बजने से पहले मैच विवादों में घिर गया क्योंकि क्रोएशिया को लगा कि उसने आखिरी क्षणों में स्कोर 2-2 से बराबर कर लिया है, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद मारियो पासालिच को ऑफसाइड करार दिया और गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। क्रोएशिया के प्रशंसकों ने मैदान पर बोतलें फेंकीं और विरोध में सीटी बजाई।

रोनाल्डो का विश्व कप नॉकआउट में पहला गोल

क्रोएशिया ने 53वें मिनट में इवान पेरिसिच के गोल से बढ़त बनाई, जो उन्होंने जोसिप सानिसिच के क्रॉस पर किया था। रोनाल्डो ने पहले 68वें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल करके स्कोर बराबर किया, जो विश्व कप में नॉकआउट चरण का उनका पहला गोल था। लेकिन पुर्तगाल की जीत के नायक रामोस रहे, जिन्होंने इंजरी टाइम के चौथे मिनट में तब गोल किया जब लग रहा था कि मैच अतिरिक्त समय तक खिंच जाएगा।

स्पेन का कलात्मक खेल, 16 साल बाद नॉकआउट में एंट्री

ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर स्पेन ने किया अपना सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड

मिकेल ओयार्जबल के दो गोल की मदद से खिताब के प्रबल दावेदार स्पेन ने ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर 2010 में चैंपियन बनने के बाद पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में कोई मैच जीता। ओयार्जबल ने 36वें और 89वें मिनट में गोल किए। इस बीच पेड्रो पोरो ने 66वें मिनट में गोल किया, जिससे स्पेन मौजूदा टूर्नामेंट में अब तक का अपना सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन करने में सफल रहा। उसने गेंद पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और अपने आक्रामक और कलात्मक खेल का अच्छा नमूना पेश किया। स्पेन के खिलाफ मौजूदा विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं हुआ है। ऑस्ट्रिया की टीम गोल पर एक भी शॉट नहीं लगा पाई। इस तरह से स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट (मैच में कोई गोल नहीं खाना) हासिल करने में सफल रहे।

हमने अच्छा मैच खेल दिखाया : ओयार्जबल

ओयार्जबल ने मैच के बाद कहा, 'मुझे खुशी है कि मैंने टीम को अगले दौर में पहुंचाने में मदद की। अब थोड़ा आराम करके अगले मैच के लिए तैयार होना है। यह मुश्किल मैच था। हम जानते थे कि एक मजबूत टीम के खिलाफ खेलना कठिन होगा, लेकिन हमारा दिन बहुत अच्छा रहा और हमने अच्छा मैच खेल दिखाया।'

एम्बोलो ने दागा 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल घुटनों के बल फिसलते हुए मनाया जश्न

एजेंसी ▶▶| वैंकूवर

ब्रिल एम्बोलो और डैन एनदोये के गोल की मदद से स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई।

बेहतरीन फॉर्म में चल रहे योहान मंजाम्बी गेंद लेकर दाहिनी ओर से तेजी से आगे बढ़े और उन्होंने एम्बोलो को शानदार क्रॉस दिया। एम्बोलो को उस पर गोल करने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। एम्बोलो ने अपने 26वें अंतरराष्ट्रीय गोल का जश्न घुटनों के बल फिसलते हुए मनाया।(स्विट्जरलैंड अगला मुकाबला कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। राउंड ऑफ 16 का मैच अगले मंगलवार को वैंकूवर में खेला जाएगा।

स्विट्जरलैंड ने 1938 में फ्रांस में खेले गए विश्व कप के बाद नॉकआउट राउंड का कोई मैच नहीं जीता था, लेकिन 1954 में उसकी टीम ने प्लेऑफ मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। स्विट्जरलैंड की टीम पिछले तीन विश्व कप में अंतिम 16 में पहुंची थी लेकिन इससे आगे बढ़ने में नाकाम रही।

फाइनल में इंग्लैंड, चोटिल कप्तान साइवर-ब्रंट ने खेली तूफानी पारी

महिला टी20 विश्व कप : इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| लंदन

कप्तान नैट साइवर-ब्रंट की चोट के बावजूद खेली गई 75 रन की शानदार पारी की मदद से इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराकर महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका सामना चिर प्रतिद्वंदी ऑस्ट्रेलिया से होगा।

पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 23 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद साइवर-ब्रंट और पूर्व कप्तान हीथर नाइट (58) ने चौथे विकेट के लिए 133 रन की साझेदारी की, जिससे इंग्लैंड ने पांच विकेट पर 169 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 8 विकेट पर 129 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज तंजमीन ब्रिट्स ने सर्वाधिक 51 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए चार्ली डीन और लॉरेंन बेल ने दो-दो विकेट लिए।

रविवार को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ंत

मारिजान काप ने बनाए केवल 5 रन

दक्षिण अफ्रीका की उम्मीद मारिजान काप पर टिकी थी लेकिन टूर्नामेंट में अब तक अच्छा प्रदर्शन करने वाली यह ऑलराउंडर केवल पांच रन ही बना सकी। उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की उम्मीद भी खत्म हो गई। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में अभी तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया है। यह 2010 के बाद पहला अवसर है जबकि दोनों टीम अजेय रहकर फाइनल में पहुंची हैं। फाइनल रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

सूर्यवंशी के डेब्यू की बढ़ती मांग, सैमसन की फॉर्म पर सस्पेंस

दूसरा टी20

आज शाम 7 बजे से भारत और इंग्लैंड के बीच मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

वैभव सूर्यवंशी के पदार्पण की बढती मांग के बीच इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार 4 जुलाई को दूसरे टी20 मैच में संजू सैमसन पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव रहेगा, जो इस दौरे पर लगातार नाकाम साबित हो रहे हैं। पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, जिसमें भारत ने अभिषेक शर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की मदद से 7 विकेट पर 189 रन बनाए थे। अगले कुछ मैचों में फोकस सैमसन पर रहेगा कि वह सूर्यवंशी को पदार्पण का मौका दिए जाने की बढती मांग के बीच अपनी उपयोगिता साबित कर पाते हैं या नहीं।

सैमसन पर टीम में जगह कायम रखने का दबाव

भारत की टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के सूत्रधार रहे सैमसन को कम से कम एक साल तक मौका दिया जा सकता था लेकिन अब जबकि भारतीय क्रिकेट को सूर्यवंशी के रूप में एक असाधारण प्रतिभाशाली क्रिकेटर मिल गया है। ऐसे में सैमसन के लिए गलती की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है और टी20 विश्व कप का शानदार प्रदर्शन भी टीम में उनकी जगह की गारंटी नहीं हो सकता।अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बना लिए हैं, जिससे सारा दबाव अब सैमसन पर है। बारिश के कारण रद्द हुए पहले मैच में सैमसन ने सात गेंद में एक रन बनाया था और एक बार भी नहीं लगा कि वह आक्रामक खेलने के मूड में हैं। सीम लेती पिचों पर तकनीक के मामले में उनकी कमजोरी सामने आती है।

वैभव को लेकर टीम प्रबंधन पर सवाल उठने तय

टीम प्रबंधन 15 वर्ष के सूर्यवंशी को लेकर कोई हड़बड़ी नहीं करना चाहता लेकिन अगले कुछ मैचों में उन्हें नहीं उतारा गया तो इस फैसले पर सवाल उठने तय हैं। सैमसन के अलावा तिलक वर्मा को भी मध्यक्रम में तेज खेलना होगा। स्पिनरों के आने के बाद वह तेजी से रन नहीं बना पाते हैं। इस साल 12 टी20 में वह सिर्फ 12 छक्के लगा सके हैं और एक फिनिशर के लिए यह खराब आंकड़ा है। स्पिनरों की मददगार ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच पर गेंदबाजी में किसी बदलाव की संभावना नहीं है। इस मैच से पहले हालांकि एक ही यक्षप्रश्न क्रिकेटप्रेमियों के जेहन में है कि सूर्यवंशी को मौका मिलेगा या नहीं। इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी बूक, फिल साल्ट और टॉम बेंटोन जैसे शानदार बल्लेबाज हैं।

कनाडा ओपनः आकर्षि, तान्या बाहर, भारतीय चुनौती खत्म

मार्खम। तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप की कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के दूसरे दौर में हार के साथ भारतीय चुनौती का अंत हो गया। तीसरी वरीयता प्राप्त जापान की रिको गुनजी ने तान्या हेमनाथ को महज 31 मिनट में सीधे गेमों में 21-11, 21-11 से पराजित किया। आकर्षि ने चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग को कड़ी टक्कर दी, लेकिन एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले में उन्हें 20-22, 21-17, 21-17 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले तान्या ने शुरुआती दौर में अमेरिका की दिशा गुप्ता को जबकि आकर्षि ने फ्रांस की अन्ना तात्रानोवा को शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनाई थी।

दीक्षा ने बनाई बढ़त सातवें स्थान पर अदिति

हुलेनकोर्ट। भारत की दीक्षा डागर ने हुलेनकोर्ट महिला ओपन के पहले दौर में बिना किसी बोगी के चार अंडर 68 का कार्ड खेलकर तीन अन्य गोल्फरों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल की जबकि साथी खिलाड़ी अदिति अशोक दो अंडर 70 के कार्ड से संयुक्त सातवें स्थान पर बनी हुई हैं। अन्य भारतीय गोल्फरों में अवनि प्रशांत इवन पार 72 के कार्ड से संयुक्त 24वें स्थान पर हैं जबकि प्रणवी उर्स (73) संयुक्त 33वें स्थान पर बनी हुई है। दीक्षा दक्षिण अफ्रीका की नादिया वैन डेर वेस्टहुइजेन, स्विट्जरलैंड की मोर्गाने मेट्रॉक्स और इंग्लैंड की ब्रोंटे लॉ के साथ संयुक्त रूप से बढ़त बनाए हुए थीं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Main portal- http://eproc.cgstate.gov.in , UADD Portal- http://eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक /232/न.पा.प./लो.क.वि./2026 अहिवारा दिनांक 02.07.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है ।

क्र.	कार्य का नाम	सिस्टम टेंडर क्र.	अनु. लागत लाख में	निविदा ऑनलाईन करने की प्रारंभिक/अंतिम तिथि
1	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Palika Parishad, Ahiwara under SBM 2.0 (6th call)	194723	437.06 Lakh	Bid Start Date 02.07.2026, 17.30PM, Bid Due Date - 17.07.2026, 17.30PM Physical Documents Submission End Date - 22.07.2026, 17.30 PM Bid open Date -23.07.2026, 17.00PM, Prebid Meeting (Online) google meet. Meeting Link: skw-jirc-pac Date- 08.07.2026, 12.00 pm to 12.20 pm
2.	Green Space Development Shitala Mandir Park, Ward No 1, Ahiwara, Durg, C.G. under AMRUT 2.0 including 12 months Defects Liabilty Period and 5 years Operation and Mainteance of all Project (2nd Call)	194724	215.99 Lakh	Bid Start Date 02.07.2026, 17.30PM, Bid Due Date - 17.07.2026, 17.30 PM, Physical Documents Submission End Date 22.07.2026, 17.00PM Bid open Date - 23.07.2026, 11.30 PM, Site Visit & Prebid Meeting Date - 08.07.2026, 10.00 to 13.00 pm & 14.00 to 16.00

विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईड http://eproc.cgstate.gov.in से डॉउनलोड / देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद अहिवारा

कार्यालय नगर पंचायत – लखनपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

Ph. 07774-261501 email - cmolakhanpur@gmail.com

क्रमांक /851/ लो.नि./न.पं. / 2026-27 लखनपुर, दिनांक-03/7/26

प्रथम ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नगर पंचायत लखनपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

System Tender no	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Physical Document Submission Date & Time	Bid Open Date & Time
194806	16.92	12700/-	03/07/2026 After 17.30 PM	24/07/2026 Before 17.30 PM	29/07/2026 Before 14.00 PM	29/07/2026 After 15.00 PM

टीप :- 01. उपरोक्त कार्यों की निविदा की समान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेत व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https:cgeprocurement.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
02. विज्ञापन की प्रति https:cg.uad.gov.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत लखनपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

सोने की नीलामी की सूचना

बजाज फाईनान्स लिमिटेड ("BFL");
पंजीकृत कार्यालय: मुंबई-पुणे रोड,
अकुर्दी, पुणे- 411035

BAJAJ FINANCE

ऋणियों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे उल्लिखित ऋणियों ने बार-बार सूचना दिए जाने के बावजूद लोन का भुगतान या आवश्यक मार्जिन जमा नहीं किया है। इस कारण, ऋणियों द्वारा लोन के विरुद्ध सुरक्षा के रूप में गिरवी रखे गए सोने की नीलामी "जैसा है, जहाँ है" के आधार पर निम्नलिखित शर्तों के अनुसार की जाएगी: 1. क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (सोने का विवरण एवं सकल वजन) की सम्पूर्ण जानकारी देखें, 2. बोलीदाताओं के लिए सभी नियम एवं शर्तें निम्न लिंक पर उपलब्ध हैं: All about our Terms and Conditions - Bajaj Finance Limited 3. सभी बोलीदाताओं को नीलामी से पूर्व ₹25,000/- की अग्रिम जमा राशि (EMD) ऑनलाइन ट्रांसफर के माध्यम से जमा करना अनिवार्य है; 4. नीलामी स्थल पर प्रातः 10 बजे वैध पहचान एवं पते के प्रमाण के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना अनिवार्य है। नीलामी की तिथि में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित किया जाएगा। बोली प्रस्तुत करना उपरोक्त नियमों एवं शर्तों की स्वीकृति माना जाएगा। अधिक जानकारी के लिए wecare@bajajfinserv.in पर संपर्क करें।

(10-08-26) **अंबिकापुर - अंबेडकर चौक**; PLI4GOL24419810, 27216461, 28543291. **भिलाई - जीई रोड;** PBX2GOL24043790, 25422158, 26442189, 27371375. (11-08-26): **भिलाई - कृष्णा थिएटर रोड**; PMM8GOL28138572. **भिलाई - स्मृति नगर;** PLL2GOL24741395, 24955609, 27153739, 28504854. **बिलासपुर - अग्रसेन चौक**; PGJ8GOL24473327, 25732156, 26040256. (12-08-26) **बिलासपुर - सरकंडा;** P42HGOL24300477, 25120069, 26077027, 26726928, 26769741, 28026397, 28311588. **चांपा - बारपाली चौक**; PPA1GOL28458439. (13-08-26) **दुर्ग - महाराजा चौक**; PMW4GOL24071106, 27185395, 28059472. **दुर्ग - स्टेशन रोड;** P08IGOL27768694, 28662545. **कटघोरा - बीजीएल;** PNY8GOL26289477, 26744166, 27413567, 27790404. (14-08-26) **कोरबा - सीएसईबी चौक**; PEQ2GOL17421203, 24029475, 24118085, 25446839, 26759094, 28354567. **कोरबा - कोसाबाड़ी**: PLI5GOL17508770, 26958363, 27787368. (17-08-26): **महासमुंद - बीजीएल;** PNU8GOL25546547. **मनेन्द्रगढ़ - बीजीएल;** PNU9GOL24870739, 24875030, 24892422, 25461578, 25871165, 26710187, 27046710, 27153552, 27761255. **मुंगेली - मेन रोड**; POY9GOL27413416. (18-08-26): **रायपुर - जीई रोड**; PCZ6GOL28057055. **रायपुर - पचपेड़ी नाका;** PLI9GOL24270356, 24488076, 24490983, 24487035. **रायपुर - पियांक टावर;** PEN5GOL24095044, 24079757, 26067224, 28554325. (19-08-26) **रायपुर - तेलीबांधा रोड**; PF45GOL24679441, 26115441, 26111039, 26067542, 26273573, 28515584. **राजनांदगांव - जीई रोड;** PEN6GOL23756190, 27016025, 27202129, 27339975, 27342534, 28496940, 28668021. **व्यापार विहार बिलासपुर;** PLI7GOL17737157, 27179161.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

कार्यालय नगर पंचायत प्रेमनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

No :-1004/NP Premnagar/2026 Premnagar, Date:-03/07/2026

संशोधित तृतीय ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

नगर पंचायत प्रेमनगर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली द्वारा जारी सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाइन (online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

System Tender no	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Physical Document Submission Date & Time	Bid Open Date & Time
194697	24.57	12300/-	02/07/2026 17.00 PM after	13/07/2026 Before 17.30 PM	16/07/2026 Before 14.00 PM	17/07/2026 After 13.00 PM

उपरोक्त कार्यों की निविदा की समान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही जानकारी ऑनलाईन वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत प्रेमनगर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग काम, परिवार और निजी जिम्मेदारियों के बीच इतने उलझ जाते हैं कि अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने का समय ही नहीं मिल पाता। बाहर से मुस्कुराते दिखने वाले कई लोग भीतर ही भीतर तनाव, अकेलेपन और मानसिक दबाव से जूझ रहे होते हैं।

यहां हंसने नहीं, खुलकर रोने आते हैं हजारों लोग, आंसू बहाकर करते हैं मन हल्का

सूरत। ऐसे में देश के कुछ शहरों में एक नया ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे क्राइ क्लब के नाम से जाना जाता है। यहां लोग हंसने के लिए नहीं, बल्कि खुलकर रोने और अपने मन का बोझ हल्का करने के लिए पहुंचते हैं।

गुजरात के सूरत में चल रहा हेल्दी क्राइंग क्लब पिछले करीब आठ वर्षों से लोगों को ऐसा सुरक्षित माहौल उपलब्ध करा रहा है, जहां वे बिना किसी झिझक के अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकें। इस क्लब में आने वाले लोगों से यह नहीं पूछा जाता कि वे क्यों रो रहे हैं।

धीरे-धीरे यह अवधारणा कई देशों तक पहुंची

मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी

क्लब के संस्थापक कमलेश मसालावाला का मानना है कि समाज में खासकर पुरुषों को बचपन से यह सिखाया जाता है कि रोना कमजोरी की निशानी है। यही वजह है कि कई लोग अपनी भावनाओं को वर्षों तक दबाकर रखते हैं। इन सेशनों में शांत वातावरण, हल्का संगीत और सुकून देने वाला माहौल तैयार किया जाता है, जिससे लोग सहज महसूस कर सकें. यहां आने वालों में युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक शामिल होते हैं। कोई रिश्तों में आई परेशानियों से जूझ रहा होता है, कोई नौकरी के तनाव से, तो कोई अकेलेपन और मानसिक थकान से राहत पाने की उम्मीद लेकर पहुंचता है।

रोना इंसान की स्वाभाविक भावनात्मक प्रतिक्रिया

विशेषज्ञों के अनुसार, रोना इंसान की स्वाभाविक भावनात्मक प्रतिक्रिया है। लंबे समय तक तनाव और दुख को दबाकर रखने से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में नियंत्रित और सुरक्षित माहौल में भावनाएं व्यक्त करना कई लोगों के लिए राहत का कारण बन सकता है। हालांकि, यदि कोई व्यक्ति लगातार उदासी, तनाव या मानसिक परेशानी महसूस कर रहा हो, तो उसे मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी है।

रुई-कात्सु कॉन्सेप्ट से है प्रेरित

दरअसल, क्राइ क्लब का विचार जापान के 'रुई-कात्सु' कॉन्सेप्ट से प्रेरित माना जाता है। धीरे-धीरे यह अवधारणा कई देशों तक पहुंची और अब भारत के मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और सूरत जैसे शहरों में भी ऐसे सेशन आयोजित किए जा रहे हैं। डिजिटल दौर में, जहां लोग ऑनलाइन जुड़े होने के बावजूद भावनात्मक रूप से अकेलापन महसूस करते हैं, वहीं, ऐसे समूह कई लोगों के लिए अपनापन और मानसिक राहत का एक नया माध्यम बनकर उभर रहे हैं।

● रोचक खबरें

8 करोड़ सालों से जिंदा है ये जीव, इंसान ने बस 10 साल में कर दिया बर्बाद!

नई दिल्ली। धरती पर कई ऐसे जीव हैं जो लाखों-करोड़ों साल से बिना बदले जीवित है। इन्हें प्रकृति ने इतनी मजबूती दी है कि बड़े-बड़े शिकारी भी इन्हें नुकसान नहीं पहुंचा पाए। लेकिन, इंसान का लालच इन प्राचीन जीवों को भी बर्बाद कर रहा है। ऐसी ही एक दर्दनाक कहानी है पैंगोलिन की। यह अनोखा जीव पिछले 8 करोड़ साल से धरती पर राज कर रहा था, लेकिन इंसानों ने सिर्फ 10 साल में इसे विलुप्त होने की कगार पर पहुंचा दिया है। पैंगोलिन को 'स्केली एंटईटर' भी कहा जाता है। इसका पूरा शरीर मजबूत शल्कों से ढका होता है जो केराटिन से बने होते हैं। खतरे के समय यह गोले का रूप धारण कर लेता है। यही कारण है कि शेर, चीता, भालू या हाथी जैसे जानवर भी इसे आसानी से नहीं खा पाते। लाखों सालों से यह रणनीति इनकी सुरक्षा करती रही। लेकिन, इंसान के सामने यह रक्षा बेकार साबित हुई। चीन, वियतनाम और अन्य एशियाई देशों में पैंगोलिन की स्केल्स को पारंपरिक दवा में इस्तेमाल किया जाता है। इसके मांस को स्वादिष्ट माना जाता है। नतीजतन, दुनिया भर में पैंगोलिन सबसे ज्यादा तस्करी वाला जानवर बन गया है। सीआईटीईएस के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक दशक में हजारों पैंगोलिन पकड़े गए, लेकिन इससे कहीं ज्यादा तस्करी हो रही है।

ये है दुनिया का सबसे अनोखा जीव, कई जानवरों का है मिश्रण

नई दिल्ली। प्रकृति ने कई अनोखे जीवों को रचा है लेकिन प्लैटिपस उन सबसे अलग है। इसे देखकर वैज्ञानिक भी हैरान रह गए थे, जब पहली बार इसे खोजा गया था। कई लोग इसे बतख और बीवर का मिश्रण समझ बैठते हैं, लेकिन ये सबसे अलग एक अलग ही जीव है।

प्लैटिपस की चोंच बतख जैसी होती है, पूंछ बीवर जैसी सपाट, पंजे ऊदबिलाव जैसे और शरीर का आकार छोटे कुत्ते जैसा होता है। इसके पैरों में झिल्ली है जो तैरने में मदद करती है। नर प्लैटिपस के पिछले पैरों में जहर वाली स्पर (नुकीली संरचना) होती है जिससे ये खुद को बचाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ये दुनिया के कुछ विषैले स्तनधारियों में से एक है।

ज्यादातर स्तनधारी जीव बच्चे जन्म देते हैं, लेकिन प्लैटिपस और कुछ ईचिडना मोनोट्रेम्स नामक समूह के सदस्य हैं जो अंडे देते हैं। मादा प्लैटिपस दो से तीन अंडे देती है। ये अंडे नरम खोल वाले होते हैं। मां अंडों को अपने शरीर की गर्मी से सेती है। करीब दस दिन बाद बच्चे निकलते हैं। अंडों से बच्चे निकलने के बाद मादा उन्हें दूध पिलाती है। लेकिन प्लैटिपस में स्तन नहीं होते हैं। दूध सीधे पेट की त्वचा के छिद्रों से रिसता है। बच्चे मां के पेट पर चिपककर दूध चाटते हैं। यह दूध बहुत पौष्टिक होता है और बच्चों को तेजी से विकसित होने में मदद करता है।

नार्को-पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए सहमति जरूरी किसी को भी मजबूर करना गलत

याचिकाकर्ताओं को 18 दिनों तक थाने बुलाकर पुलिस ने किया प्रताड़ित

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा है कि किसी भी व्यक्ति की सहमति के बिना उसे नार्को-एनालिसिस, पॉलीग्राफ या अन्य वैज्ञानिक जांच के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

मामला रायगढ़ जिले के चक्रधरनगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने हत्या और सबूत मिटाने के आरोप में संदेह के आधार पर ग्राम बेहरापाली निवासी किसान लक्ष्मीनारायण पटेल और ग्राम महापल्ली निवासी अर्धना भगत को पूछताछ के लिए थाने बुलाया। दोनों का आरोप है कि पुलिस उन्हें लगातार कई दिनों तक थाने बुलाकर प्रताड़ित करती रही। इससे परेशान होकर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने बिना न्यायिक अनुमति और उनकी सहमति

के ब्रेन मैपिंग, पॉलीग्राफ और नार्को-एनालिसिस टेस्ट कराने के लिए 20 जून को नोटिस जारी किया। नोटिस में उन्हें 22 और 23 जून 2026 को रायपुर में पेश होने के लिए कहा गया। मामले की सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि जांच एजेंसी याचिकाकर्ताओं को नार्को-एनालिसिस, पॉलीग्राफ परीक्षा, ब्रेन इलेक्ट्रिकल एक्टिवेशन प्रोफाइल टेस्ट या किसी अन्य समान वैज्ञानिक जांच तकनीक से गुजरने के लिए बाध्य नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि यदि ऐसे किसी परीक्षण की आवश्यकता हो, तो वह केवल संबंधित व्यक्ति की स्वतंत्र, स्पष्ट और पूरी जानकारी के साथ दी गई सहमति के आधार पर ही कराया जा सकता है

अपनी याचिका वापस लेगी राज्य सरकार

बिलासपुर। हाईकोर्ट में करीब 3 साल बाद राज्यपाल द्वारा विधानसभा से पास हुए विधेयकों को रोकने वाली लंबित याचिका पर सुनवाई हुई। दरअसल 2019 से 2023 के बीच छत्तीसगढ़ विधानसभा में जिस समय प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी के द्वारा पारित कई विधेयक राज्यपाल ने मंजूरी देने के बजाय बिना किसी निर्णय के रोक रखे हैं। तब छत्तीसगढ़ की सरकार ने पास विधेयकों को रोकने के खिलाफ और आदिवासी कार्यकर्ता संत कुमार नेताम ने विधेयकों को विशेष कर राज्य में आरक्षण बढ़ाने वाले विधेयक को रोकने के खिलाफ यह याचिका दायर की थी।

शुक्रवार की सुनवाई स्टिस ए के प्रसाद के सिंगल बेंच में हुई। इस दौरान हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से उपस्थित महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार यह याचिका वापस लेना चाहती है और इसके लिए विधिवत आवेदन देने हेतु उसे समय चाहिए। वहीं दूसरी ओर संत कुमार नेताम की ओर से उपस्थित अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने हाईकोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के संविधान पीठ के फैसले के अनुसार किसी भी विधेयक जो विधानसभा के द्वारा पास हो गया है उसे राज्यपाल बिना निर्णय के लंबे समय तक रोक नहीं सकते। इसलिए वे अपनी याचिका को वापस नहीं ले रहे हैं और पास विधेयकों पर निर्णय चाहते हैं। गौरतलब है कि संत कुमार नेताम ने अपनी याचिका में छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा पारित उस विधेयक को जिसमें आरक्षण में वृद्धि की गई है विशेष रूप से मंजूरी की मांग की है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को याचिका वापस लेने के लिए विधिवत आवेदन देने के लिए दो सप्ताह का समय प्रदान किया है इसके बाद इस मामले पर आगे सुनवाई की जाएगी। वहीं नेताम के अधिवक्ता के द्वारा सुप्रीम कोर्ट के संविधान पीठ फैसले की प्रति प्रस्तुत करने की बात कही गई है।

बिना साक्ष्य विभागीय कार्रवाई अवैध रिकवरी और अपीलीय आदेश रद्द

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने विभागीय जांच की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि किसी कर्मचारी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को केवल अनुमान या एकतरफा निष्कर्ष के आधार पर सिद्ध नहीं माना जा सकता। यदि कर्मचारी आरोपों से इनकार करता है तो विभाग के लिए गवाहों के बयान दर्ज करना, मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करना तथा कर्मचारी को जिरह का अवसर देना अनिवार्य है। इन प्रक्रियाओं का पालन किए बिना की गई विभागीय कार्रवाई कानूनन वैध नहीं मानी जा सकती।

बिलासपुर हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडेय की एकलपीठ ने यह फैसला सुनाते हुए दिवंगत ग्राम सहायक के खिलाफ जारी एक लाख 62 हजार 843 रुपए की रिकवरी का आदेश और बस्तर संभाग के कमिश्नर द्वारा अपील खारिज करने के आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही राज्य सरकार और संबंधित विभाग को दिवंगत कर्मचारी के सभी सेवानिवृत्ति लाभ नियमानुसार जारी करने के निर्देश दिए। मामला दुर्गूकोंदल जनपद पंचायत में पदस्थ रहे ग्राम सहायक लीलाराम जांगड़े से जुड़ा है। उनके पुत्र आशीष जांगड़े ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर विभागीय कार्रवाई को चुनौती दी थी। याचिका में बताया गया कि वर्ष 2003 में लीलाराम जांगड़े के खिलाफ 17 आरोप लगाकर विभागीय जांच शुरू की गई थी। उन्होंने सभी आरोपों से स्पष्ट रूप से इनकार करते हुए अपना जवाब विभाग को सौंप दिया था। याचिका के अनुसार, आरोपों से इनकार किए जाने के बावजूद विभागीय जांच अधिकारी ने किसी भी गवाह का बयान दर्ज नहीं किया और न ही आरोपों के समर्थन में कोई मौखिक या दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। इसके बावजूद वर्ष 2015 में सभी आरोपों को सिद्ध मानते हुए उनके खिलाफ 1 लाख 62 हजार 843 रुपए की रिकवरी का आदेश जारी कर दिया गया। बाद में इस आदेश के खिलाफ बस्तर संभाग के कमिश्नर के समक्ष अपील दायर की गई, लेकिन वर्ष 2021 में अपील भी खारिज कर

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की बर्खास्तगी रद्द

बिलासपुर। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 'छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद' के महानिदेशक द्वारा दायर दो रिट अपील खारिज करते हुए सिंगल बेंच के उस आदेश को सही ठहराया है, जिसमें दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (भृत्यों) की बर्खास्तगी को रद्द कर उन्हें बहाल करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने साफ कहा है कि प्रोबेशन (परिवीक्षा अवधि) सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद कर्मचारी 'नियमित सेवा' का दर्जा पा लेता है, और उसे संविधान के अनुच्छेद 311 (2) के तहत सुरक्षा प्राप्त होती है।

याचिकाकर्ता आर्यहिंद यादव और भोजेश्वर चंद्राकर को रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (डीजी-कॉस्ट) में वर्ष 2011-2012 के दौरान कलेक्टर दर पर भृत्य के पद पर नियुक्त किया गया था। बेहतर सेवाओं को देखते हुए विभाग ने वर्ष 2014 में उन्हें नियमित वेतनमान (रु 4700-7440 + ग्रेड पे रु .1300) देते हुए पद पर नियमित कर दिया था। नियमितीकरण के बाद दोनों ने वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। इस बीच विभाग ने उनके प्रोबेशन पीरियड को आगे बढ़ाने का कोई आदेश जारी नहीं किया। सितंबर 2020 में आदेश जारी कर दोनों की सेवाएं समाप्त कर दी गई। इसके खिलाफ दोनों कर्मचारियों ने हाईकोर्ट की सिंगल बेंच में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के बाद सिंगल बेंच ने 15 अप्रैल 2026 को उनकी बर्खास्तगी को अवैध पाते हुए निरस्त कर दिया था। सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए परिषद ने डिवीजन बेंच के समक्ष याचिका दायर की थी। याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में परिषद की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता सौरभ कुमार पांडे ने कहा कि कर्मचारियों की शुरुआती नियुक्ति, भर्ती नियमों के विपरीत थी। तत्कालीन महानिदेशक ने बिना सक्षम प्राधिकारी (शासी निकाय) की मंजूरी के एकतरफा इनका नियमितीकरण किया था, जो कानूनी रूप से शून्य है, चूंकि वे कभी कन्फर्म नहीं हुए थे, इसलिए उन्हें बिना विस्तृत विभागीय जांच के केवल नोटिस देकर हटाया जा सकता था। कर्मचारियों की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता रवि कुमार भगत और राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता पीके भादुड़ी ने पक्ष रखा। दोनों पक्षों को सुनने के बाद चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के निर्णय को बरकरार रखते हुए विभाग की अपीलों को खारिज कर दिया।

हत्या के आरोपी नीरज माली की याचिका खारिज

बिलासपुर। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा है, संविधान की अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल को प्राप्त क्षमादान की शक्ति एक स्वतंत्र संवैधानिक अधिकार है। यदि राज्यपाल एक बार किसी कैदी की दया याचिका को खारिज कर देते हैं, तो जेल नियमों में उस पर दोबारा विचार करने का कोई प्रावधान नहीं है। कोर्ट ने कहा है, न्यायपालिका कार्यकारी निर्णय में तब तक दखल नहीं दे सकती जब तक कि वह पूरी तरह से दुर्भावनापूर्ण न हो। हाईकोर्ट ने याचिका को मेरिट के आधार पर खारिज कर दिया, लेकिन कैदी को एक कानूनी रास्ता देते हुए यह स्पष्ट किया कि इस आदेश का यह मतलब नहीं है कि याचिकाकर्ता भविष्य के रास्ते बंद हो गए हैं। कैदी कानून के दायरे में रहकर आगे उचित समय पर 'नई दया याचिका' या समय पूर्व रिहाई का आवेदन दे सकता है, जिस पर प्राधिकारी बिना इस फैसले से प्रभावित हुए स्वतंत्र रूप से विचार करेंगे। इसके साथ ही चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कुदुदंड बिलासपुर निवासी हत्या के दोषी नीरज माली उर्फ गोलू की याचिका को खारिज कर दी है।

शराब घोटाले में करोड़ों के घपले के आरोपी की जमानत अर्जी मंजूर

बिलासपुर। शराब घोटाले में करोड़ों के घपले के आरोपी अजय लोहिया की जमानत अर्जी हाईकोर्ट ने स्वीकार कर ली है। इस पूरे सिंडिकेट में गुड़गांव निवासी आरोपी अजय लोहिया पर मेन पावर सप्लाई एजेंसी के जरिए करोड़ों रुपए के हेरफेर और घपले का गंभीर आरोप है। इसी मामले को लेकर बिलासपुर उच्च न्यायालय में आरोपी की तरफ से जमानत याचिका दायर की गई थी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में आरोपी अजय लोहिया की ओर से पैरवी करते हुए उच्च न्यायालय के प्रसिद्ध अधिवक्ता यशराज वर्मा ने जमानत आवेदन प्रस्तुत किया था। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस ए के प्रसाद की सिंगल बेंच ने आरोपी अजय लोहिया की जमानत अर्जी को स्वीकार कर लिया है।

रूफटॉप मिस्टिंग सिस्टम — चीन का नया कारनामा

गर्मी से निपटने के लिए बिल्डिंग की छत से पानी की बौछार

बीजिंग। चीन के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में लोगों को गर्मी से राहत देने के लिए वहां एक अनोखा तरीका अपनाया गया है। उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत के युन्चेंग शहर में ऊंची रिहायशी इमारतों की छतों पर खास रूफटॉप मिस्टिंग सिस्टम लगाया गया है।

यह सिस्टम हवा में पानी की बहुत बारीक फुहार छोड़ता है, जिससे आसपास का तापमान कम होता है और लोगों को गर्मी से राहत मिलती है। इस तकनीक के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि इमारतों की छतों से घने बादलों जैसी पानी की धुंध निकल रही है, जो नीचे सड़कों और पैदल चलने वाले रास्तों तक फैल जाती है।

कई शहर तापमान कम करने के नए तरीके खोज रहे

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह फुहार आसपास के क्षेत्र को ठंडा रखने में मदद करती है और तेज धूप तथा गर्म हवाओं के असर को कम करती है। भीषण गर्मी के बीच यह अनोखी व्यवस्था लोगों का ध्यान खींच रही है। बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन के बीच कई शहर तापमान कम करने के नए तरीके खोज रहे हैं। ऐसे में चीन का यह प्रयोग दिखाता है कि भविष्य में शहरों की योजना और इमारतों के डिजाइन में भी बदलाव करना पड़ सकता है।

कैसे काम करता है यह कूलिंग सिस्टम?

यह सिस्टम इवेपोरेटिव कूलिंग के वैज्ञानिक सिद्धांत पर काम करता है। इसके तहत इमारतों की छतों पर लगाए गए हाई-प्रेशर नोजल हवा में पानी की बेहद बारीक बूंदों का छिड़काव करते हैं। जब ये बूंदें हवा में होती हैं, तो आसपास की गर्मी को अपने साथ सोख लेती हैं। ठीक उसी तरह जैसे पसीना शरीर से गर्मी खींचकर हमें ठंडक पहुंचाता है। चीनी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जब बाहर का तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस होता है, तब यह सिस्टम कुछ ही मिनटों में आसपास के इलाके का तापमान 5 से 8 डिग्री सेल्सियस तक कम कर सकता है। इस सिस्टम की खास बात यह है कि पानी की बूंदें बहुत छोटी होती हैं। इसलिए गर्म और सूखे मौसम में वे तेजी से भाप में बदल जाती हैं। इससे सड़कों, इमारतों या लोगों के कपड़ों पर ज्यादा पानी नहीं पड़ता, लेकिन, वातावरण में ठंडक महसूस होने लगती है। भीषण गर्मी से जूझ रहे शहरों के लिए यह तकनीक एक नया और प्रभावी समाधान मानी जा रही है, जो लोगों को राहत देने के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में तापमान कम करने में भी मदद कर सकती है

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com